www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार: 14 सितम्बर 2026
वर्ष: 17
अंक: 127 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

टेक्नोलॉजी-मिनरल्स को हथियार बनाना है गलत

● पीएम मोदी बोले-इससे दुनिया की तरक्की पर असर पड़ेगा ● कहा-'ब्रिक्स' की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है

नई दिल्ली (एजेंसी)। विविधता और सहयोग को सेलीब्रेट करते हुए ब्रिक्स समिट पूरी हुई। इस बार ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत ने की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ब्रिक्स में ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वास बढ़ा है, क्योंकि ब्रिक्स में उनकी आवाज सुनी जाती है, उनके अनुभव का सम्मान होता है और समाधान उनके लिए नहीं, उनके साथ मिलकर बनाए जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ब्रिक्स की शक्ति हमारी विविधता और सहयोग में है। ब्रिक्स के पार्टनर देश और आउटरीच के लिए आमंत्रित विशेष प्रतिनिधियों के साथ एक सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नॉलजी और क्रिटिकल मिनरल्स का वेपनाइजेशन हमारी साझा प्रगति में बाधा बन सकता है।

कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज की इंटरकनेक्टेड दुनिया में कोई भी संकट एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। चुनौतियों को समय रहते पहचानना, उनके लिए तैयार रहना और तुरंत कार्रवाई करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज विश्व में तनावों की संख्या लगातार बढ़ रही है और लोगों के जीवन पर इसका बहुत नकारात्मक असर प्रभाव भी हो रहा है और व्यापक प्रभाव भी हो रहा है।

बोल्डर गिरने से एक की मौत, 3200 यात्री रोके

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर रविवार को चीरबासा हेलिपैड के समीप पहाड़ से अचानक बोल्डर गिरने से एक स्थानीय व्यक्ति मोहन तिवारी की मौके पर ही मौत हो गई। लगातार पत्थर गिरने से राहत एवं बचाव कार्य करना भी चुनौती बना है। ऐसे में जिला प्रशासन ने सुरक्षा को देखते हुए करीब 3200 श्रद्धालुओं को जगह–जगह सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया।

सोनप्रयाग कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक सुरेश बलूनी के बताया कि केदारनाथ से आने वाले 500 यात्रियों को लिनचोली व 1000 यात्रियों को भीमबली में अस्थायी तौर पर रोका गया है। सोनप्रयाग में 1000 व गौरीकुंड में 700 तीर्थयात्रियों को रोका है। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि बोल्डर गिरने से मोहन तिवारी निवासी ग्राम पठाली, थाना एवं तहसील ऊखीमठ रुद्रप्रयाग की मौत हुई है। रेस्क्यू टीम शव गौरीकुंड लाई और जिला चिकित्सालय भेजा है। वहीं लोनिवि गुप्तकाशी के अधिशासी अभियंता सुनील सिंह ने बताया कि 26 श्रमिकों के माध्यम से मलबा एवं पत्थर हटाने का कार्य किया जा रहा है। वहीं जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि आपदा कंट्रोल रूम से केदारनाथ पैदल मार्ग सहित जनपद के संवेदनशील क्षेत्रों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के तहत उन्हें सोनप्रयाग एवं गौरीकुंड में रोका जा रहा है। मौसम एवं मार्ग की परिस्थितियों के अनुसार ही यात्रियों की आवाजाही की अनुमति दी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अमान्य मदरसों के खिलाफ बंगाल सरकार का ऐक्शन

● वेस्ट बंगाल में बंद होंगे बिना मान्यता वाले 252 मदरसे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बिना मान्यता प्राप्त मदरसों के खिलाफ शभेंदु सरकार ने बड़ा ऐक्शन लिया है। इसके तहत राज्य में किए गए सर्वे के बाद सरकार ने पहले चरण में 252 अमान्य (खारिजी) मदरसों को बंद करने का नोटिस जारी किया है, जबकि 100 अन्य मदरसों से इस संबंध में जवाब मांगा गया है। बता दें कि राज्य सरकार ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के मदरसों की जांच-पड़ताल का एक बड़ा अभियान शुरू किया था।

गोवा में एएपी ने जीएफपी के साथ किया गठबंधन

● अरविंद केजरीवाल ने खुद किया ऐलान, साथ में लड़ेंगे

पणजी (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गोवा में गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर इस गठबंधन की घोषणा की। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गोवा के लोगों के लिए गणेश चतुर्थी के मौके पर यह एक बड़ा तोहफा है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी और गोवा फॉरवर्ड पार्टी के गठबंधन का नाम गोवा फर्स्ट होगा। केजरीवाल ने कहा कि गोवा में इस गठबंधन की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि पिछले कई वर्षों से लोगों के सामने सीमित राजनीतिक विकल्प रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोवा के मतदाता कभी बीजेपी तो कभी कांग्रेस को सत्ता में चुनते रहे हैं, लेकिन अब उनके सामने एक नया विकल्प होगा।

बीमार होने की अफवाहों को मायावती ने किया खारिज

कहा-बिल्कुल ठीक हूं,आकाश ससुर के दिमाग से चल रहे

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी बीमारी की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने लखनऊ में प्रेस कॉफ्रेंस में कहा- मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं। अपना काम कर रही हूं। मायावती बोलीं- पार्टी से निकाले गए लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि मैं बीमार हूं इसलिए बड़े मामलों पर भी सीधे एक्स पर ट्वीट करके जानकारी दे रही हूं। इसी वजह से आज मैं आपके सामने आई हूं। उन्होंने कहा- इसका सबूत है कि पार्टी के इंचार्ज आलोक कुमार के पास शनिवार रात 10.04 बजे भतीजे आकाश आनंद का फोन आया। पूछा- बहनजी बीमार हैं क्या, उनका स्वास्थ्य कैसा है।

मायावती ने भतीजी को पार्टी सौंपने के संकेत दिए थे

मायावती ने 4 दिन पहले आकाश को पार्टी में पद वापस देने के लिए उनके ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने की शर्त रखी थी। 17 घंटे बाद अशोक सिद्धार्थ ने संन्यास का ऐलान कर दिया। इसके बाद भी मायावती ने आकाश को पार्टी में पद नहीं दिया।

राहुल गांधी से मिले मलेशियाई पीएम,साथ में किया नाश्ता

नेता प्रतिपक्ष को गुड फ्रेंड बताया, हर भारत दौरे पर मिलते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चल रहे 18वें ब्रिक्स समिट के बीच मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रविवार को विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। यह मीटिंग ब्रिक्स समिट के इतर हुई। सभी ने साथ में ब्रेकफास्ट किया। लेकिन मुलाकात कहां पर हुई, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। कांग्रेस और पीएम इब्राहिम ने एक्स पर तस्वीरें भी शेयर की हैं। इब्राहिम ने लिखा- आज सुबह ब्रेकफास्ट पर अपने अच्छे दोस्त राहुल गांधी से एक बार फिर मिलने का मौका मिला। हमने हाल के घटनाक्रमों पर अपने विचार शेयर किए।

डिनर में पीएम इब्राहिम ने किशोर कुमार का गाना गाया

अनवर इब्राहिम ब्रिक्स समिट में शामिल होने भारत आए हैं। शनिवार को उन्होंने 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना' विषय पर आयोजित सत्र में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने किशोर दा का मशहूर गाना 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत...' गाया।

8 सालों में राहुल से भारत में तीसरी बार मिले इब्राहिम

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम पिछले 8 सालों के दौरान तीन बार भारत आए। हर बार उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात जरूर की। राहुल गांधी और अनवर इब्राहिम की पहली मुलाकात जनवरी 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। उस समय अनवर मलेशिया के प्रधानमंत्री नहीं थे। वे पार्टी के अध्यक्ष और देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री के तौर पर रायसीना डायलॉग में हिस्सा लेने भारत आए थे। तब राहुल कांग्रेस अध्यक्ष थे। 21 अगस्त 2024 को पीएम बनने के बाद अनवर इब्राहिम भारत आए थे। इस दौरान भी उन्होंने राहुल से मुलाकात की थी। उस समय राहुल लोकसभा में विपक्ष के नेता थे। मुलाकात के बाद अनवर इब्राहिम ने गांधी परिवार को अपना 'फैमिली फ्रेंड' बताया था।

वनतारा से 13 महीने बाद कोल्हापुर लौटी हथिनी महादेवी

● हजारों लोगों ने रास्ते में खड़े होकर फूल बरसाकर स्वागत किया,जाने का विरोध किया था

कोल्हापुर (एजेंसी)। हथिनी माधुरी, जिसे कोल्हापुर में महादेवी के नाम से जाना जाता है, करीब 13 महीने बाद गुजरात के वनतारा से महाराष्ट्र के कोल्हापुर लौट आई है। यहां नांदणी गांव स्थित जैन मठ पहुंचने पर शनिवार रात हजारों लोगों ने फूल बरसाकर उसका स्वागत किया। महादेवी को जुलाई 2025 में हाई पावर कमेटी के निर्देश पर गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस फाउंडेशन के एनिमल सेंटर वनतारा भेजा गया था। कोल्हापुर में लोग इसका विरोध कर रहे थे। मामला बॉम्बे हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। 9 सितंबर 2026 को हाई पावर कमेटी ने नांदणी की व्यवस्था का निरीक्षण करने के बाद माधुरी को वापस कोल्हापुर भेजने का आदेश दिया था। कोल्हापुर के नांदणी में माधुरी को 1992 में लाया गया था। तब वह सिर्फ 4 साल की थी। मठ में करीब 700 साल से हाथी पालने की परंपरा रही है और माधुरी 32 साल तक यहीं रही।

रात करीब 2 बजे मठ पहुंची महादेवी

महादेवी को वनतारा से गुरुवार शाम करीब 5 बजे रवाना किया गया था। करीब 1,160 किलोमीटर लंबा सफर तय करने के बाद वह शनिवार रात करीब 2 बजे नांदणी जैन मठ पहुंची।

वापसी के बाद भी वनतारा करेगा निगरानी, हाई कमेटी ने रखीं शर्तें

वनतारा के मुताबिक, उसका इलाज जारी रहने के कारण स्वास्थ्य की स्थिति स्थिर हुई है, लेकिन उसकी पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। इसलिए कोर्ट ने माधुरी की वापसी को कुछ सख्त शर्तों के साथ मंजूरी दी है।

महादेवी के लिए मठ में है खास इंतजाम

नांदणी मठ में महादेवी के लिए विशेष शेल्टर तैयार किया गया है। इसमें पर्याप्त ऊंचाई और हवा की व्यवस्था है। पैरों को आराम देने के लिए रबर मैट लगाए गए हैं। गर्मी और मक्खियों से बचाने के लिए बड़े पंखे, फॉगिंग सिस्टम और पानी के फव्वारे लगाए गए हैं। शेल्टर के पास पानी का तालाब बनाया गया है। हाइड्रोथेरेपी का स्विमिंग टैंक भी बनाया गया है। उसकी डाइट के मुताबिक खाना तैयार करने के लिए अलग किचन है, जहां पका हुआ अनाज, दाल, फल और दूसरी चीजें रखी जाएंगी। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए अलग सुविधा बनाई गई है और महावत के स्थायी रूप से रहने की व्यवस्था की गई है।

102 लोगों को बचाया गया, एक की मौत,140 की तलाश जारी

इंडोनेशिया में 243 यात्रियों वाला जहाज डूबा

बाली (एजेंसी)। इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें 1 की मौत हुई है। हादसे के बाद करीब 140 यात्री और क्रू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग जहाजों की मदद से 102 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारमासिन जा रहा था। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेस्क्यू टीम ने जहाज की आखिरी लोकेशन की ओर कई जहाज और एक हेलीकॉप्टर भेजा है। बंजारमासिन स्थित सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के मुताबिक, जहाज में सफर के दौरान कम्युनिकेशन फेलियर हुआ था। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। जहाज की आखिरी लोकेशन जावा सागर में बंजारमासिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर मिली है। इंडोनेशिया में जहाज डूबने के कई बड़े हादसे हो चुके हैं। 1981 में तंपोमास-2 नाम का यात्री जहाज जावा सागर में डूब गया था।

अब उत्तराखंड में पहाड़ के नीचे दौड़ेगी ट्रेन

● 11 किलोमीटर लंबी सुरंग हो गई आर-पार ● टी-49 के बाद मिली दूसरी बड़ी कामयाबी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना ने शुक्रवार को एक और बड़ा पड़ाव पार कर लिया। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत टिहरी जिले के ढालवाला में बन रही पहली एस्केप टनल का ब्रेकथ्रू पूरा हो गया। यानी सुरंग के दोनों छोर आखिरकार आपस में जुड़ गए। इस ब्रेकथ्रू के साथ ही 10.847 किलोमीटर लंबी एस्केप टनल-1 पूरी तरह आर-पार हो गई है। यह देश की दूसरी सबसे लंबी रेलवे सुरंग है। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है क्योंकि 125 किलोमीटर लंबी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना उत्तराखंड के बेहद कठिन और पहाड़ी इलाके से होकर गुजर रही है। यहां रेल लाइन बिछाने से ज्यादा चुनौती सुरंगों का निर्माण है। ऊंचे पहाड़, कठिन भूगर्भीय परिस्थितियां और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सुरंग निर्माण का काम लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

125 किलोमीटर की रेल लाइन

ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना की सबसे बड़ी खासियत और चुनौती इसकी सुरंगें हैं। पूरी परियोजना में कुल 28 सुरंगों का निर्माण किया जाना है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से 22 सुरंगों का काम पूरा हो चुका है। यानी परियोजना की कुल 28 सुरंगों में से करीब 78 फीसदी सुरंगें पूरी हो चुकी हैं। ढालवाला की एस्केप टनल का ब्रेकथ्रू इसी सिलसिले में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रेल विकास निगम लिमिटेड इस परियोजना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। परियोजना का उद्देश्य केवल ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेल कनेक्टिविटी देना नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देना भी है। अधिकारियों के मुताबिक, सुरंग के रास्ते में बेहद कमजोर चट्टानी क्षेत्र और मायलोनाइट जोन भी मिले। इसकी एक बड़ी वजह सुरंग का मेन बाउंड्री थ्रस्ट के करीब होना है।

पर्यटन को भी मिलेगा बढ़ावा

125 किलोमीटर लंबी यह रेल लाइन पहाड़ी क्षेत्रों के लिए सिर्फ एक नया परिवहन साधन नहीं होगी। इससे सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने, यात्रा को अधिक सुविधाजनक बनाने और पर्वतीय क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत करने में मदद मिल सकती है। ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने का असर स्थानीय लोगों के साथ-साथ तीर्थयात्रियों और पर्यटकों पर भी पड़ने की उम्मीद है। उत्तराखंड के चारधाम और अन्य धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तक पहुंच के लिहाज से भी इस परियोजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर की उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के कटरा-बनिहाल रेलखंड में सुरंग-49 खारी और बनिहाल स्टेशनों के बीच बनी है। इसकी लंबाई 12.895 किलोमीटर है और यह भारतीय रेलवे की सबसे लंबी सुरंग है। बनिहाल से खारी और संगलदान के बीच का पूरा रेलखंड आधुनिक इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण है। इस इलाके में रेल लाइन का 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सा सुरंगों के अंदर से गुजरता है। इस खंड में कई महत्वपूर्ण सुरंगें बनाई गई हैं, जो पहाड़ी क्षेत्र में रेलवे कनेक्टिविटी को आसान बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं।

संपादकीय

सम्मेलन तक सीमित राष्ट्र भाषा

इस वर्ष पर हिंदी दिवस को लेकर सरकारी तैयारी शुरू हो गई है लेकिन क्या हिंदी आज भी हमारे देश में सर्वमान्य भाषा बन पाई है इस पर चिंतन करने की जरूरत है। एक बार फिर हिंदी को लेकर बड़े–बड़े भाषण होंगे, बयान बाजियां होगी और राष्ट्र भाषा की बात कर शपथ ली जाएगी, लेकिन तमाम सरकारी विभागों में राजकाज की भाषा पर आज भी अंग्रेजी हावी है। फिलहाल कुछ दिन हिंदी के सम्मान और प्रचार प्रसार की बातें होंगी, मंच सजा जाएंगे लेकिन हिंदी की स्थिति भविष्य में भी वही रहेगी जो पहले थी। इससे बड़ी बटन बना भला और क्या होगी की राष्ट्रभाषा होने के बावजूद भी देश के तमाम राज्यों में हिंदी बोलने वालों के साथ मारपीट की जाती है उन्हें क्षेत्रीय भाषा बोलने के लिए पीड़ति किया जाता है। इन परिस्थितियों में क्या हिंदी दिवस बनाना सार्थक है? वास्तविकता तो यह है कि हिंदी आज भी करोड़ों लोगों की अभिव्यक्ति की भाषा है, लेकिन व्यवस्था और समाज का एक बड़ा वर्ग इसे व्यवहारिक जीवन में वह स्थान देने को तैयार नहीं दिखता, जिसकी वह हकदार है। विडंबना यह है कि हिंदी के सम्मान की बातें करने वाले अनेक लोग अपने बच्चों की शिक्षा, व्यावसायिक संवाद और सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए अंग्रेजी को ही प्राथमिकता देते हैं। इससे एक ऐसा वातावरण बनता है जिसमें हिंदी भावनाओं की भाषा तो बनकर रह जाती है, लेकिन अवसरों की भाषा नहीं बन पाती। ऐसा नहीं की अंग्रेजी को लेकर कोई विरोध है लेकिन तमाम देश जो आज विकासशील देशों की श्रेणी में है वह अपनी राष्ट्रीय भाषा के बल पर नहीं उंच्चाइयों को छू रहे हैं और इसका कारण है वहां की सरकार और वहां के नागरिकों द्वारा अपनी भाषा को सम्मान देना।यदि कोई समाज अपनी भाषा को ही हीन दृष्टि से देखने लगे, तो उसकी सांस्कृतिक पहचान भी कमजोर होने लगती है। आज स्थिति यह है कि अनेक युवा हिंदी बोलते तो हैं, लेकिन हिंदी में लिखने और पढ़ने में झिझक महसूस करते हैं। हिंदी को बढ़ावा देने के लिए समितियां बनती हैं, बजट खर्च होता है, लेकिन जमीनी स्तर पर बदलाव अपेक्षित नहीं दिखता। यदि प्रशासनिक और तकनीकी कार्यों में हिंदी का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित नहीं किया जाएगा, तो हिंदी दिवस के आयोजन केवल औपचारिकता बनकर रह जाएंगे। मीडिया और डिजिटल प्लेट-फॉर्म ने हिंदी को नई ताकत अवश्य दी है। हिंदी पत्रकारिता, सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने साबित किया है कि हिंदी की पहुंच और प्रभाव किसी भी भाषा से कम नहीं है। फिर भी विज्ञान, कानून, चिकित्सा और उच्च तकनीकी शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हिंदी सामग्री की कमी आज भी महसूस की जाती है। जब तक ज्ञान और रोजगार से जुड़ी दुनिया में हिंदी को पर्याप्त स्थान नहीं मिलेगा, तब तक उसका विस्तार सीमित रहेगा। आज आवश्यकता हिंदी को बचाने की नहीं, बल्कि उसे व्यवहार में अपनाने की है। हिंदी के सम्मान का सबसे बड़ा तरीका यह नहीं कि वर्ष में एक दिन उसका उत्सव मनाया जाए, बल्कि यह है कि हम उसे अपने दैनिक जीवन, शिक्षा, प्रशासन और तकनीक में सहज रूप से प्रयोग करें। भाषा तभी जीवित और मजबूत रहती है, जब वह लोगों के जीवन का हिस्सा बने, न कि केवल मंचों और समारोहों का विषय। एक कड़वा सच यह भी है कि सेना से लेकर उच्च प्रशासनिक सेवा में नौकरी पाने के लिए अंग्रेजी एक अनिवार्य योग्यता मानी गई है भले ही हिंदी में स्थिति अच्छी ना हो।

एक बातचीत किसी की जिंदगी बचा सकती है

कांतिलाल मांडोत

युवाओं की खामोशी को समझना होगा तनाव और अवसाद के बीच साथ का हाथ सबसे बड़ी मदद

आज का युवा सपनों, महत्वाकांक्षाओं और नई संभावनाओं से भरी दुनिया में आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन इसी दौड़ में उसके सामने मानसिक दबाव भी तेजी से बढ़ रहा है। पढ़ाई में अच्छे अंक लाने की चिंता, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, करियर को लेकर असमंजस, नौकरी की अनिश्चितता, परिवार की अपेक्षाएं, मित्रों और रिश्तों से जुड़ी परेशानियां तथा सामाजिक तुलना कई बार मन पर ऐसा बोझ डाल देती हैं, जिसे युवा अकेले संभाल नहीं पाता। बाहर से सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भीतर ही भीतर किसी बड़े संघर्ष से गुजर रहा हो सकता है। इसलिए मानसिक परेशानी को कमजोरी समझने के बजाय उसे समय रहते पहचानना और संवेदनशीलता के साथ सुनना आज की बड़ी जरूरत है।

किसी व्यक्ति के जीवन में संकट अचानक दिखाई दे सकता है, लेकिन उसके पीछे चल रहा मानसिक संघर्ष अक्सर लंबे समय से जमा होता रहता है। परेशानी तब और बढ़ जाती है जब व्यक्ति अपनी बात किसी से कह नहीं पाता। उसे लगता है कि परिवार उसकी स्थिति नहीं समझेगा, मित्र उसका मजाक बनाएंगे या समाज उसे कमजोर मान लेगा। यही सोच उसे धीरे-धीरे लोगों से दूर कर सकती है। इसलिए परिवार और समाज की जिम्मेदारी केवल यह पूछने तक सीमित नहीं होनी चाहिए कि पढ़ाई कैसी चल रही है या नौकरी की तैयारी कितनी हुई। यह भी पूछना जरूरी है कि मन कैसा है, क्या कोई परेशानी है और क्या वह किसी बात को लेकर लगातार तनाव में है।

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुभव बताते हैं कि आत्महत्या जैसी गंभीर स्थिति के पीछे सामान्यतः कोई एक कारण नहीं होता। कई बार छोटी-छोटी परेशानियां एक साथ मिलकर मानसिक दबाव को बढ़ा देती हैं। परीक्षा में असफलता किसी विद्यार्थी के लिए बहुत बड़ी घटना हो सकती है, वहीं किसी दूसरे युवा के लिए रिश्ते में आई परेशानी, आर्थिक संकट या भविष्य को लेकर अनिश्चितता अधिक भारी पड़ सकती है। बुलिंग, रैगिंग, पारिवारिक विवाद, अकेलापन और लगातार दूसरों से अपनी तुलना करना भी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। जब इन परिस्थितियों के बीच व्यक्ति को भावनात्मक सहारा नहीं मिलता तो उसकी परेशानी गंभीर रूप ले सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मानसिक परेशानी हमेशा शब्दों में सामने नहीं आती। कई युवा सीधे यह नहीं कहते कि वे तनाव में हैं या उन्हें मदद चाहिए। उनके व्यवहार में बदलाव दिखाई दे सकता है। जो व्यक्ति पहले परिवार और दोस्तों से खुलकर बात करता था, वह अचानक चुप रहने लगे, सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने लगे या अपनी पसंदीदा चीजों में रुचि खो दे तो इसे सामान्य बदलाव मानकर छोड़ देना ठीक नहीं है। नींद और भोजन की आदतों में बदलाव, लगातार चिड़चिड़ापन, निराशा, पढ़ाई या काम में ध्यान न लगना और स्वयं को दूसरों के लिए परेशानी मानने जैसी बातें भी संकेत हो सकती हैं कि व्यक्ति को भावनात्मक सहयोग की जरूरत है।

ऐसे समय में सबसे पहला कदम सलाह देना नहीं, बल्कि सुनना होना चाहिए। कई बार हम किसी परेशान व्यक्ति की बात पूरी होने से पहले ही उसे समझाने लगते हैं। उसे कहा जाता है कि यह तो छोटी बात है, सब ठीक हो जाएगा या दूसरे लोगों की स्थिति तुमसे भी खराब है। इस तरह की बातें समस्या को कम नहीं करतीं, बल्कि व्यक्ति को यह महसूस करा सकती हैं कि उसकी परेशानी को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। इसके बजाय शांत होकर उसकी बात सुनना, उसके अनुभव को समझने का प्रयास करना और यह भरोसा दिलाना कि वह अकेला नहीं है, बहुत बड़ा सहारा बन सकता है।

युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परिवार की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। माता-पिता को केवल परिणाम और उपलब्धियों पर ध्यान देने के बजाय बच्चों की भावनात्मक स्थिति को भी समझना होगा। हर परीक्षा जीवन का अंतिम फैसला नहीं है और हर असफलता भविष्य का अंत नहीं होती। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि वे अपनी परेशानी खुलकर बता सकते हैं और किसी गलती या असफलता के कारण उनका महत्व कम नहीं होता। परिवार में ऐसा वातावरण बने जहां संवाद के लिए डर नहीं, विश्वास हो।

संस्कृति, संवाद और आत्मगौरव का उत्सव है हिन्दी दिवस

योगेश कुमार गोयल

हर वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाने वाला हिन्दी दिवस उस गौरव की स्मृति के रूप में मनाया जाता है, जब हिन्दी को भारतीय संघ की राजभाषा घोषित किया गया था। यह दिवस हिन्दी की समृद्धि, स्वीकार्यता, रचनात्मकता और वैश्विक विस्तार का उत्सव है। निरंतर बढ़ती हिन्दी शक्ति आज न केवल भारत के सांस्कृतिक, सामाजिक और प्रशासनिक परिदृश्य को आकार देती है बल्कि विश्व मंच पर भी अपनी प्रगाढ़ छाप छोड़ रही है। आज दुनियाभर में हिन्दी चाहने वालों, बोलने या पढ़ने-समझने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हिन्दी को लेकर भारतीय और विदेशी विद्वानों, साहित्यकारों तथा विभूतियों का आदर भाव वर्षों से रहा है।

डा. फादर कामिल बुल्के, जिन्होंने हिन्दुस्तानी संस्कृति को आत्मसात किया, हिन्दी को गृहिणी की संज्ञा देते हुए कहा था कि यह भारतीय जीवन का अभिन्न हिस्सा है। संस्कृत को तो वे मां मानते थे और अंग्रेजी को नौकरानी। इसी तरह आयरिश प्रशासक जॉन ग्रियर्सन ने हिन्दी को संस्कृत की बेटियों में सबसे सुंदर और शिरोमणि बताया। ऐसे तमाम उदाहरण इस बात के प्रमाण हैं कि हिन्दी, शब्द और विचार के धरातल पर विभिन्न भाषाओं से जितनी आत्मीयता रखती है, उतनी ही भारत के जनमानस से जुड़ी है लेकिन दुखद है कि आज भी पुनरुत्थानवादी मानसिकता वाले कुछ लोग हिन्दी की व्यापकता, समृद्धि और ताकत को नजरअंदाज करते हैं और संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी को स्थान नहीं मिलने की बात पर कुतर्क करके उसके वैश्विक पक्ष को कमतर आंकते हैं। हालांकि ऐसी नकारात्मक चचाओं से न हिन्दी का कुछ भला हो सकता है, न ही उसका अस्तित्व डिग सकता है। तथ्य यही है कि आज विश्वभर में हिन्दी बोलने वालों का आंकड़ा करोड़ों में है और यह निरंतर बढ़ रहा है।

हिन्दी की ताकत को जानना हो तो उसके सांस्कृतिक, भावनात्मक और रचनात्मक विस्तार को देखना होगा। मातृभाषा का ज्ञान किसी भी व्यक्ति के मन की पीड़ा का सबसे अच्छा समाधान है। महापुरुषों, विद्वानों और नेताओं ने समय-समय पर हिन्दी भाषा के महत्व को रेखांकित किया है। पुरुषोत्तमदास टंडन मानते थे कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी अपनी भूमिका निभाने में समर्थ है। महात्मा गांधी ने हिन्दी को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान संवाद व जनसंपर्क का सबसे शक्तिशाली माध्यम माना। उनके शब्द थे कि सम्पूर्ण भारत की पारस्परिकता के लिए ऐसी भाषा चाहिए, जो जनता का बड़ा भाग जानता-समझता हो। गांधीजी कहते थे, ह्यदिल की कोई भाषा नहीं है, दिल से दिल संवाद करता है और राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।ह्व ये कथन आज भी वैसी ही सार्थकता के साथ जीवंत हैं। अमेरिकी चिकित्सक वॉल्टर चेनिंग तो यह मानते थे कि विदेशी भाषा का किसी स्वतंत्र राष्ट्र की शिक्षा एवं प्रशासन की भाषा होना सांस्कृतिक दासता है। माखनलाल चतुवेर्दी और राहुल सांस्कृत्यायन ने हिन्दी को देश और भाषा की विरासत, सांस्कृतिक धरातल और अधिष्ठान के रूप में देखा। बालकृष्ण शर्मा नवीन ने तो यहां तक कहा कि राष्ट्रीय एकता का बंधन केवल हिन्दी ही जोड़ सकती है।

हिन्दी की ऊर्जा और आत्मबल का उदाहरण महात्मा गांधी के हिन्दी प्रेम का एक प्रसंग भी है। सन् 1917 में कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन में बाल गंगाधर तिलक ने अंग्रेजी में भाषण दिया था। गांधीजी ने तिलक को स्पष्ट समझाया कि देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में संवाद ही सही अर्थों में दिलों तक पहुंच सकता है। यह भावप्रवण संवाद भारत के हर नागरिक के गौरव का स्रोत है। महात्मा गांधी ने विविध अवसरों पर हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा कहा था। आज हिन्दी का विस्तार भारत तक सीमित नहीं रहा। कई देशों में हिन्दी लोगों के दिलों में बसती है, जहां की स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ हिन्दी भी संगठित रूप से बोली जाती है। दुनियाभर में सैंकड़ों विश्वविद्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं, शोध केंद्रों और अनगिनत प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी पढ़ाई जाती है, शोध होती है और यह वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा बन चुकी है। विश्वभर में लगभग 75 करोड़ लोग हिन्दी बोलते समझते हैं और एथ्नोलॉग जैसी अंतर्राष्ट्रीय भाषायी संस्थाओं की रिपोर्ट के मुताबिक, यह विश्वभर में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो तेजी से ऊपर की ओर बढ़ रही है।

हिन्दी का वैश्विक सांस्कृतिक प्रभाव भी आश्चर्यचकित करता है। भारतीय फिल्म उद्योग, जिसे दुनियाभर में ह्यबॉलीवुडह्व के नाम से जाना जाता है, हर साल करीब 1500 फिल्में हिन्दी में बनाता है। ये फिल्में भारत में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, खाड़ी देशों सहित अनेक देशों में देखी जाती हैं। हिन्दी फिल्मों, गीतों, साहित्य और कला का प्रभाव विदेशी मंचों, सांस्कृतिक समारोहों, मीडिया एवं एफएम चैनलों तक फैला हुआ है। यूएई में हिन्दी एफएम चौनल स्थानीय लोगों की खास पसंद बन चुके हैं। हिन्दी फिल्म अभिनेता, निमार्ता व कलाकार विदेशों में शो आयोजित करते हैं, जिससे भारतीय संस्कृति और हिन्दी भाषा का विस्तार होता है। जहां-जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी विशेष सम्मान के साथ जीवंत है। यह यथार्थ हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी व्यापार, वाणिज्य, शिक्षा, तकनीकी और प्रशासन के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है। फेसबुक, गूगल, यूट्यूब जैसी कंपनियों ने हिन्दी को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है। भारत में 80 प्रतिशत मोबाइल उपभोक्ता हिन्दी में सामग्री अपनाते हैं। इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हिन्दी की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है और इसका प्रसार इतनी गति से हो रहा है कि कुछ ही वर्षों में हिन्दी इंटरनेट की प्रमुख भाषा बन सकती है। हिन्दी की संवैधानिक सुरक्षा भारत में संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 के तहत निश्चित है। यह धाराएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार, स्वीकार्यता और संरक्षण का मजबूत आधार हैं। यह न केवल भारत की आधिकारिक भाषा है बल्कि सम्पर्क भाषा, प्रशासन और विधि के क्षेत्र में इसका प्रयोग निर्णायक रूप से हो रहा है। भारत के शैक्षिक संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और सांस्कृतिक आयोजनों में हिन्दी को सम्मानपूर्वक अपनाया गया है। विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना, हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की मान्यता दिलवाने की पहल और डिजिटल क्षेत्र में हिन्दी सशक्तीकरण, ये सभी कदम हिन्दी के वैश्विक मंच पर सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए हैं।

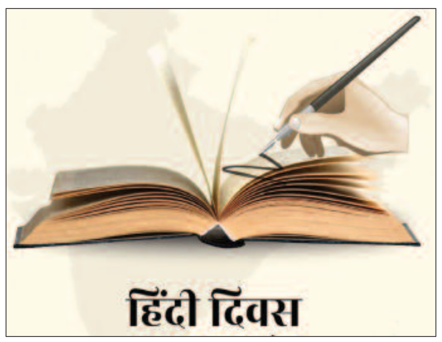

कुल मिलाकर, हिन्दी दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, यह हमारी संस्कृति, भाषायी आत्मसम्मान और राष्ट्रीय एकता का दिन है। इस दिन हर भारतीय को यह संकल्प लेना चाहिए कि हिन्दी को रचनात्मक, सुंदर और समृद्ध बनाए रखने में अपना योगदान दे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का सपना केवल राजभाषा का प्रतिष्ठापन नहीं था बल्कि भारत की आत्मा, उसकी विविधता और सांस्कृतिक गौरव की अभिव्यक्ति थी, जिसे हिन्दी ने बखूबी आकार दिया है। हिन्दी भाषा की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रतिष्ठा आज न केवल भारत की बल्कि विश्व संस्कृति की सबसे मजबूत और सुंदर कड़ी बन चुकी है। इसलिए, हिन्दी दिवस के अवसर पर यही प्रेरणा लें कि जीवन के हर क्षेत्र में हिन्दी का उत्कर्ष हो, इसकी भाषायी, सांस्कृतिक, साहित्यिक और तकनीकी शक्ति निरंतर बढ़ती रहे और आगामी पीढ़ियां हिन्दी को न केवल संवाद का बल्कि वैश्विक अभिव्यक्ति का सबसे प्रभावशाली माध्यम बनाएं।

भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्त्रोत

ललित गर्ग

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है–शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो।

गणेशजी के व्यक्तित्व में छिपे प्रबंधन, नेतृत्व, ज्ञान, अनुशासन और समावेशी विकास के सूत्रों को आत्मसात कर भारत 2047 के संकल्प को नई दिशा दी जा सकती है...

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है।

गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है–शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है–विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से।

गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है–ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।

उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छा नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है।

उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो।

गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा।

गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है–ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग महसूस न करे।

गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मूषक है। यह मानो अहंकार पर नियंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है।

गणेशजी की चार भुजाएं कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल डिग्री नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन–यही विकसित भारत की आधारभूमि बन सकती है।

गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन नहीं, बल्कि उनका साहसपूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे। गणेशजी का साहस हमें बताता है कि कठिनाई जितनी बड़ी हो, संकल्प उससे बड़ा होना चाहिए।

ऋद्धि और सिद्धि का गणेशजी से जुड़ाव भी विकास की व्यापक अवधारणा को स्पष्ट करता है। केवल धन-संपदा ऋद्धि नहीं और केवल उपलब्धि सिद्धि नहीं; दोनों का संतुलन आवश्यक है। भारत की आर्थिक समृद्धि के साथ ज्ञान, संस्कार, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की सिद्धि भी होनी चाहिए। तभी समृद्धि स्थायी और सार्थक बनेगी। शुभ और लाभ का संदेश भी यही है कि उपलब्धि तभी शुभ है जब वह व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के व्यापक हित में हो।

गणेशजी को प्रथम पूज्य और बुद्धि के देवता के रूप में स्मरण करने की भारतीय परंपरा आज के भारत के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। जब देश 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब आवश्यकता केवल सरकारों के प्रयासों की नहीं, बल्कि विकसित सोच वाले नागरिकों की है। प्रत्येक भारतीय अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, उत्कृष्टता, नवाचार, अनुशासन और राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे, तो विकास का लक्ष्य जनआंदोलन बन सकता है।

गणेश चतुर्थी इसलिए हमें केवल प्रतिमा स्थापित करने और उत्सव मनाने का अवसर न दे, बल्कि अपने भीतर गणेशत्व जगाने का संकल्प दे। बुद्धि में विशालता हो, दृष्टि में दूरदर्शिता हो, कानों में संवेदनशीलता हो, वाणी में मधुरता हो, कर्म में शक्ति हो, मन में धैर्य हो और व्यवहार में समावेशिता हो–यही गणेशजी की वास्तविक आराधना है। जब भारत का नागरिक अपने भीतर के विघ्नों–अज्ञान, आलस्य, अहंकार, स्वार्थ और संकीर्णता–पर विजय प्राप्त करेगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा।

भगवान गणेश का संदेश अंततः यही है कि मंगल बाहर से नहीं आता, उसे अपने विचार, व्यवहार और कर्म से निर्मित करना पड़ता है। यदि गणेशजी की बुद्धि, विवेक, धैर्य, साहस, श्रवणशीलता, आत्मसंयम और समावेशी दृष्टि को राष्ट्रीय जीवन का हिस्सा बनाया जाए, तो भारत केवल आर्थिक रूप से विकसित राष्ट्र नहीं, बल्कि समृद्ध, संस्कारित, संवेदनशील, आत्मनिर्भर और विश्व को दिशा देने वाला आदर्श राष्ट्र बन सकता है। यही गणेश चतुर्थी की सबसे बड़ी राष्ट्रीय साधना और विकसित भारत 2047 के संकल्प की सार्थक परिणति होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा उत्तराखंड :अनुकृति

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता अनुकृति गुसाईं ने कहा कि उत्तराखंड को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं। प्रदेश में विकास की संभावनाओं की कमी नहीं है, जरूरत उन्हें सही अवसरों में बदलने की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव उत्तराखंड के भविष्य और विकास की दिशा के लिहाज से महत्वपूर्ण साबित होगा।

रविवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं पर आधारित संगठन है। पार्टी की प्राथमिकता राष्ट्रहित है और इसी भावना के साथ कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव में बूथ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है और पार्टी 'बूथ जीतो, चुनाव जीतो' के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। महिला सशक्तीकरण के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में महिलाओं को मिल रहा है। प्रदेश में करीब

कोटद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते अनुकृति गुसाईं

तीन लाख महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं। महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था भी की गई है। लैंसडौन विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर पूछे गए सवाल के जवाब में अनुकृति गुसाईं ने कहा कि चुनाव लड़ने का निर्णय उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि संगठन और पार्टी का शीर्ष नेतृत्व करेगा। पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत और लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी सवाल किए गए। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष हरि सिंह पुंडीर, सुरेंद्र आर्य, शशिबाला केष्टवाल और विकासदीप मित्तल सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

गुलदार-भालू के खौफ में पहाड़, मवेशियों के बाद अब ग्रामीणों की सुरक्षा पर संकट

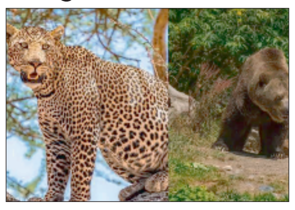

जयन्त प्रतिनिधि । कोटद्वारः पर्वतीय क्षेत्रों के गांवों में गुलदार और भालू की बढ़ती सक्रियता ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। जंगली जानवर आए दिन आबादी के नजदीक पहुंचकर मवेशियों को अपना निवाला बना रहे हैं, जिससे ग्रामीणों की आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है। नैनीडांडा से लेकर दुगड्डा के हनुमंती क्षेत्र तक गुलदार और भालू की धमक से ग्रामीण दहशत में हैं। बच्चों का स्कूल जाना और महिलाओं का जंगल से चारा–पत्ती लाना तक मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गश्त बढ़ाने के साथ ही संवेदनशील गांवों के नजदीक पिंजरे लगाने की मांग की है।

सिद्धबली मंदिर के समीप लगातार दरक रहा पहाड़ी का हिस्सा

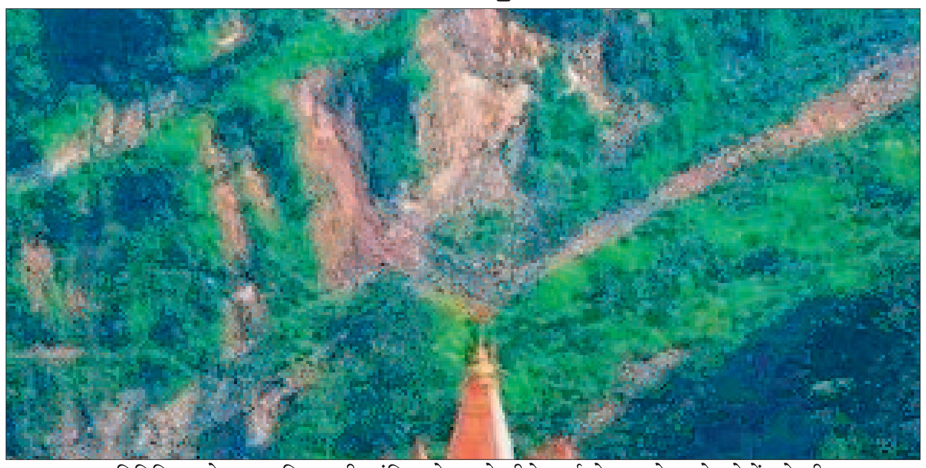

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सिद्धबली मंदिर के समीप स्थित पहाड़ी का हिस्सा लगातार दरक रहा है। ऐसे में वार्ड नंबर एक पुराना कोटद्वार में रहने वाले परिवारों को खतरा बना हुआ है। वार्डवासियों ने प्रशासन से पहाड़ी का ट्रीटमेंट करवाने की मांग की है। कहा कि वर्षा होते ही उनकी आंखों से नींद गायब हो जाती है। क्षेत्र में कब बड़ी दुर्घटना हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

पुराना कोटद्वार के ऊपर स्थित पहाड़ी से लगातार बोल्डर व मलबा गिर रहा है। ऐसे में कई बार पहाड़ी के नीचे मार्ग से गुजरने वाले लोगों को भी खतरा बना रहता है। कुछ दिन पूर्व वार्डवासियों ने समस्या से उपजिलाधिकारी व वन विभाग को भी अवगत करवाया था। लेकिन, समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया। पार्षद जयप्रकाश ध्यानी, अनुज कुमार, दीपक मैठाणी, धीरज सिंह ने बताया कि वर्षा होने पर स्थिति और अधिक डरावनी हो जाती है। पहाड़ी से आ रहे बोल्डर कब किसकी जान पर भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। कहा कि प्रशासन को समस्या को गंभीरता से लेने हुए जल्द पहाड़ी का ट्रीटमेंट शुरु करना चाहिए।

23 व 24 सितंबर को होंगी खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः संस्कृत भाषा के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी के तत्वावधान में विकासखंड एकेश्वर की खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का आयोजन 23 व 24 सितंबर को अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज, नौगांवखाल में किया जाएगा।प्रतियोगिता के खंड संयोजक गणेश पसबोला ने बताया कि खंड शिक्षाधिकारी डॉ. गुंजन अमरोही के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताएं दो वर्गों में होंगी। कनिष्ठ वर्ग में कक्षा छह से दस तक तथा वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 11, 12 एवं स्नातकोत्तर स्तर तक के छात्र–छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। संस्कृत छात्र स्पर्धा के अंतर्गत संस्कृत नाटकम्, संस्कृत समूहगान, संस्कृत समूह नृत्य, संस्कृत श्लोकोच्चारण, संस्कृत वाद–विवाद तथा संस्कृत आशुभाषणम् जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 23 सितंबर को कनिष्ठ वर्ग तथा 24 सितंबर को वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताएं होंगी। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। खंड संयोजक गणेश पसबोला ने विकासखंड के सभी विद्यालयों से प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

ज्ञापन के बाद भी नहीं जागा प्रशासन, लावारिस मवेशियों से परेशान

बड़कोट। नगर पालिका क्षेत्र में लावारिस मवेशियों की बढ़ती संख्या से आमजन, व्यापारी और वाहन चालक परेशान हैं लेकिन शिकायत और ज्ञापन दिए जाने के बावजूद प्रशासन की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। गत माह व्यापारियों सोहन गैरोला व अब्बल चंद कुमाई, महिपाल सिंह असवाल और राजेंद्र सिंह रावत सहित अन्य लोगों ने नगर पालिका, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी और एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर लावारिस मवेशियों की समस्या के समाधान की मांग की थी। इसके बावजूद अब तक धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन की उदासीनता के कारण समस्या लगातार बड़ी होती जा रही है।

बारिश में टपकता है अस्पताल, जर्जर भवन से भी बना खतरा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दुगड्डा की बदहाल व्यवस्थाओं का मामला उस समय सामने आया, जब निरीक्षण के लिए पहुंचीं सीएमओ डा. मेघना असवाल के सामने स्थानीय लोगों ने अस्पताल की समस्याओं का पिटारा खोल दिया। लोगों ने आरोप लगाया कि लगातार शिकायतों के बावजूद अस्पताल की व्यवस्थाओं में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है। बारिश के दौरान भवन की छत से पानी टपकने और जर्जर भवन के कारण मरीजों व कर्मचारियों की सुरक्षा पर भी खतरा बना हुआ है।

सीएमओ के निरीक्षण की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों के साथ व्यापार मंडल से जुड़े पदाधिकारी भी अस्पताल पहुंच गए। व्यापार मंडल की जया डबराल ने बताया कि अस्पताल भवन की स्थिति बेहद खराब है। बारिश होते ही कई स्थानों से पानी

अस्पताल निरीक्षण के दौरान वार्ता करती डा.मेघना

टपकने लगता है, जिससे विद्युत करंट फैलने का खतरा बना रहता है। वहीं, भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए कभी भी हादसा होने की आशंका बनी हुई है। समाजसेवी सुदीप बैंठियाल ने कहा कि अस्पताल में चिकित्सकों की उपलब्धता के बावजूद पर्याप्त संसाधन नहीं होने के कारण मरीजों को बेहतर उपचार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि दुगड्डा क्षेत्र के लिए यह स्वास्थ्य केंद्र बेहद महत्वपूर्ण है, ऐसे में यहां चिकित्सा सुविधाओं और संसाधनों को बढ़ाया जाना जरूरी है। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री की घोषणा के बावजूद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम समाजसेवी स्व. मोहनलाल बौंठियाल के नाम पर नहीं किए जाने पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने अस्पताल के उच्चीकरण के साथ भवन और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की मांग की। सीएमओ डा. मेघना असवाल ने लोगों को समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि अस्पताल के उच्चीकरण को लेकर शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। प्रस्ताव स्वीकृत होते ही आवश्यक कार्य धरातल पर शुरू कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नौ पर्वतारोहियों ने किया रुद्रगैरा शिखर पर सफल आरोहण

उत्तरकाशी। गंगोत्री क्षेत्र में स्थित 5,819 मीटर ऊंचे रुद्रगैरा शिखर पर सैट एक्सपेड्स के पर्वतारोहण दल ने सफल आरोहण किया। टीम ने बीते 9 सितंबर को शिखर पर पहुंचकर अभियान पूरा किया। टीम के अनुसार बरसात के बाद रुद्रगैरा शिखर का यह पहला सफल आरोहण है।अभियान की शुरुआत चार सितंबर को गंगोत्री से हुई थी। टीम गंगोत्री से नाला कैंप और फिर रुद्रगैरा बेस कैंप पहुंची। यहां से शिखर आरोहण की तैयारियां शुरू की गईं। अभियान के दौरान पर्वतारोहियों को कठिन चढ़ाई, दुर्गम रास्तों और खराब मौसम का सामना करना पड़ा। पर्वतारोहियों के अनुसार, शिखर की ओर बढ़ते समय मौसम अचानक बदल गया।घने कोहरे और बर्फ के कारण व्हाइट आउट की स्थिति बन गई और दृश्यता काफी कम हो गई। इसके बावजूद टीम ने आपसी तालमेल और सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए आरोहण जारी रखा। अभियान में तेलंगाना और गुजरात समेत विभिन्न राज्यों के पर्वतारोही शामिल रहे। टीम में संदीप सेमवाल टीम ऑनर, प्रकाश ठाकुर गाइड, पीटर सेमवाल टीम लीडर और मक्खन सिंह सहायक कर्मचारी रहे।

खो–खो प्रतियोगिता बड़ेथी के खिलाड़ियों के नाम रही

उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के तहत गंगोत्री विधानसभा क्षेत्र की विधानसभा स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया। अंडर–14 बालक वर्ग की खो–खो प्रतियोगिता में बड़ेथी की टीम ने प्रथम, गंगोरी की टीम ने द्वितीय और साल्ड की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में जोशियाड़ा न्याय पंचायत के अश्विन प्रथम, गंगोरी न्याय पंचायत के अंश द्वितीय और सौरा न्याय पंचायत के आयुष तृतीय रहे। वहीं, 35 किलोग्राम भार वर्ग की मुर्गा झपट प्रतियोगिता में साल्ड के अंशुमान ने प्रथम और सौरा न्याय पंचायत के आयुष रावत ने द्वितीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक गंगोत्री सुरेश चौहान, प्रमुख डुंडा राजदीप परमार और प्रमुख भटवाड़ी ममता पंवार ने किया।

मार्ग एलिवेटेड नहीं बनने तक जारी रहेगा आंदोलन

मार्ग निर्माण को धरना देते लोग

जयन्त प्रतिनधि। कोटद्वारः भाबर के चिल्लरखाल से लालढांग मोटर मार्ग पर एलिवेटेड मार्ग निर्माण की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहा। लोगों ने मांगें पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। कहा कि जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि एलिवेटेड मार्ग से न केवल आवाजाही सुगम होगी बल्कि कोटद्वार के विकास को भी पंख लगेंगे।रविवार सुबह चिल्लरखाल में हुई धरना सभा में देवेंद्र रावत ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को बरसात के समय मार्ग का सर्वे कराकर जमीनी हकीकत दिखानी चाहिए। विभागों को यह बताया जाना चाहिए कि नदियों पर रपटे और कलवर्ट कारगर साबित नहीं होंगे। उम्मेद भंडारी ने कहा कि राज्य गठन के 26 वर्ष बाद भी सरकार रपटे वाली कामचलाऊ सड़क देना चाहती है। धरना देने वालों में रविंद्र सौंद, पुष्पा मेहरा, राजेश बूड़ाकोटि, जगत सिंह नेगी, कृपाल सिंह गुसाईं, मदन सिंह बिष्ट, गोवर्धन काला, नरेंद्र नेगी शामिल रहे।

पाबौ बाजार का वैज्ञानिकों की रिपोर्ट के बाद होगा ट्रीटमेंट

जयन्त प्रतिनिधि ।

पौड़ीः मुख्य बाजार में लगातार बढ़ रहे भू-धंसाव और भूस्खलन के खतरे का संज्ञान लेते हुए मंत्री डॉ. धन सिंह रावत रविवार को प्रभावित क्षेत्र के निरीक्षण के लिए पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पीडब्ल्यूडी, राजस्व विभाग के अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति की जानकारी ली।

मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि बाजार में भू–धंसाव की स्थिति को देखते हुए खतरा बना है। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्र की वास्तविक स्थिति और भू-धंसाव के कारणों का वैज्ञानिक तरीके से आकलन कराने के लिए आईआईटी रुड़की और टीएचडीसी के वैज्ञानिकों से तकनीकी रिपोर्ट मांगी गई है।

वैज्ञानिकों की रिपोर्ट और उनके सुझाव के आधार पर आगे की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाजार को भूस्खलन की चपेट से बचाने के लिए जरूरी सुरक्षा एवं ट्रीटमेंट कार्य किए जाएंगे। भूस्खलन से प्रभावित व्यापारी संजय कोठियाल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मंत्री ने व्यापारियों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया है।

उन्होंने कहा कि बाजार को सुरक्षित रखने के साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि प्रभावित व्यापारियों के रोजगार पर प्रतिकूल असर न पड़े।राष्ट्रीय राजमार्ग के सहायक अभियंता हर गोविंद सिया ने बताया कि आईआईटी रुड़की और टीएचडीसी के वैज्ञानिकों की स्वेलिंग व अन्य टेस्ट रिपोर्ट मिलने के बाद उसी के अनुरूप प्रभावित क्षेत्र के ट्रीटमेंट की योजना बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर ऐसे उपाय किए जाएंगे, जिससे बाजार को सुरक्षित रखने के साथ भू–धंसाव से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य भरत रावत,कर्मवीर भंडारी, गुलाब बिष्ट, प्रवीण कोठियाल,राजेंद्र टम्टा, पूनम टम्टा आदि मौजूद रहे।

यमुनोत्री में कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश

उत्तरकाशी। मानसून के बाद यमुनोत्री धाम में बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ से पहले यात्रा मार्ग की क्षतिग्रस्त और प्रभावित व्यवस्थाएं प्रशासन के रडार पर आ गई हैं। रविवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने यमुनोत्री धाम तक करीब पांच किलोमीटर लंबे पैदल मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मार्ग पर क्षतिग्रस्त रेलिंग, दीवार, सफाई, स्वास्थ्य, पेयजल और यात्री सुविधाओं की स्थिति परखी। उन्होंने संबंधित विभागों को कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पैदल मार्ग के किनारे क्षतिग्रस्त रेलिंग और दीवार मिलने पर जिलाधिकारी ने लोनिवि के अधीक्षण अभियंता को तत्काल मरम्मत कराने को कहा। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना है, ऐसे में यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। यात्रा मार्ग और पड़ावों पर कूड़ा व घोड़ा–खच्चरों की लीद की समस्या को देखते हुए जिला पंचायत और सुलभ इंटरनेशनल को नियमित सफाई के निर्देश दिए गए। शौचालयों की मरम्मत, पर्याप्त पानी और लगातार सफाई करने को कहा गया। घोड़ा–खच्चरों के लिए चरी की सफाई और गर्म पानी की व्यवस्था भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए यात्रा मार्ग पर चिकित्सकों, दवाइयों और फर्स्ट मेडिकल रिस्पॉन्डर कैंपों को सक्रिय रखने को कहा गया। क्षतिग्रस्त कैंपों के दरवाजे तत्काल बदलने के निर्देश भी दिए गए। वहीं स्यानाचट्टी, पालीगाड, सिलाईबैंड और औजारी में पर्याप्त मशीनरी और कार्यबल तैनात रखने के निर्देश दिए गए।

फुटबाल में दुगड्डा, कोट और पौड़ी का दबदबा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शशिधर भट्ट राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम गाड़ीघाट में आयोजित 76वीं जनपदीय शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। पांच दिनों तक चली प्रतियोगिता में जिले के 15 विकासखंडों से पहुंचे करीब 1400 छात्र–छात्राओं ने विभिन्न खेल स्पर्धाओं में दमखम दिखाया। अंतिम दिन फुटबाल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित किया। अंडर-14 बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में दुगड्डा ने पौड़ी को 1-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। खिर्सू की टीम को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। अंडर-17 बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला कोट और पौड़ी के बीच बेहद रोमांचक रहा। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। ट्राई ब्रेकर में भी मुकाबला 5-5 से बराबर रहा। इसके बाद सडन डेथ में कोट के सारांश ने निर्णायक गोल दागकर अपनी टीम को 7-6 से जीत दिला दी। दुगड्डा तीसरे स्थान पर रहा। अंडर-19 बालक वर्ग के फाइनल में पौड़ी और पाबौ के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। पाबौ के अक्षित नेगी ने टीम के लिए पहला गोल किया, जबकि पौड़ी के अर्जुन ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। मैच के अंतिम क्षणों में आदित्य ने निर्णायक गोल दागकर पौड़ी को विजेता बना दिया। बालिका वर्ग में भी टीमों के बीच जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। अंडर–17 बालिका वर्ग में कोट ने दुगड्डा को 2-0 से हराकर चैंपियनशिप पर कब्जा किया। वहीं अंडर–19 बालिका वर्ग के फाइनल में पौड़ी ने ट्राई ब्रेकर में दुगड्डा को 3–2 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया। फुटबाल प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक सुरेंद्र सिंह रावत रहे। चयनकर्ता एवं निर्णायक की भूमिका बृजमोहन भंडारी, राजेंद्र रावत, योगेंद्र पटवाल, जगमोहन बिष्ट और राकेश मोहन बलोधी ने निभाई।

युवाओं के सपनों से बनेगा विकसित उत्तराखंडः मुख्यमंत्री धामी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः कीर्तिनगर ब्लॉक के चौरास स्थित गढ़वाल विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में रविवार को 'मेरे सपनों का उत्तराखंड' विषय पर मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद करते हुए विकसित उत्तराखंड को लेकर उनके सपने, विचार और सुझाव सुने। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, सोच और संकल्प प्रदेश के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। युवाओं की सोच और सहभागिता से ही विकसित उत्तराखंड का सपना साकार होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 'मेरे सपनों का उत्तराखंड' अभियान के तहत प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों में अब तक 2.67 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने अपने निबंध और विचार साझा किए हैं। उन्होंने युवाओं से नौकरी तलाशने के साथ ही रोजगार देने वाला बनने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रुद्रप्रयाग की कक्षा 11 की छात्रा सीमा सेमवाल ने पलायन के मुद्दे पर विचार रखे। मुख्यमंत्री ने

कहा कि शिक्षा और रोजगार के लिए युवाओं का बाहर जाना हमेशा नकारात्मक नहीं है। इससे उन्हें नए अनुभव और बेहतर अवसर मिलते हैं, लेकिन पहाड़ों में रह रही माताओं और बहनों को कई बार कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। देवप्रयाग की श्रेया सेमवाल ने 'पहाड़ रहें, अपने रहें, मेरे सपने रहें' विषय पर विचार रखे। छात्रा तमन्ना ने पहाड़ में रोजगार और खेती से होने वाली कम आय की समस्या उठाते हुए 'मेरा पहाड़, मेरा रोजगार' का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने उनके विचारों की सराहना की। रुद्रप्रयाग की अनुष्का ने पलायन रोकने के सुझाव दिए, जबकि इशिका नेगी और गौरव बिष्ट ने पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण व चारधाम यात्रा से जुड़े सुझाव साझा किए। छात्र मुकेश कुशवाह ने स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में युवाओं की प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री युवा योजना सहित विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और सरकार उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा और जिला शिक्षाधिकारी (बेसिक) अंशुल बिष्ट को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी टिहरी नितिका खंडेलवाल, एसएसपी श्वेता चौबे, सीडीओ वरुण अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

मीडिया समेत कई लोगों को प्रवेश नहीं मिला

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में मीडिया समेत अन्य लोगों के प्रवेश पर रोक लगाए जाने को लेकर कार्यक्रम स्थल के बाहर स्थिति कुछ समय के लिए तनावपूर्ण हो गई। मुख्यमंत्री के पहुंचने के बाद गेट पर मौजूद कुछ छात्र नेताओं और अन्य लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गेट खोलने की मांग की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच नोकझोंक भी हुई। मुख्यमंत्री से अपनी मांगों को लेकर मिलने के लिए गुगली–मंगसू चौरास की गीता देवी और धारी की सुनीता पांडे भी पहुंचीं। पैरामेडिकल छात्र, एलयूसीसी ठगी के पीड़ित महिलाएं और बेस अस्पताल के आंदोलित चिकित्सक भी मुख्यमंत्री से मुलाकात के लिए पहुंचे, लेकिन उनकी मुलाकात नहीं हो सकी। बाद में अधिकारियों के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजे गए। कार्यक्रम की जानकारी मिलने पर गढ़वाल विश्वविद्यालय के छात्र नेता भी मौके पर पहुंचे, जिन्हें पुलिस ने गेट पर रोक दिया। इसे लेकर छात्रों और पुलिस के बीच नोकझोंक हुई। बाद में प्रशासन ने छात्रों और कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं को परिसर में प्रवेश की अनुमति दी। विरोध करने वालों में भाजपा युवा मोर्चा कीर्तिनगर मंडल अध्यक्ष अंकित रावत, विवि छात्रसंघ उपाध्यक्ष पुल्कित अग्रवाल और पूर्व अध्यक्ष महिपाल बिष्ट आदि शामिल रहे।

भूस्खलन से हरबर्टपुर–यमुनोत्री हाईवे बाधित

उत्तरकाशी। सारीगाड–कंडारी मोटर मार्ग पर रविवार दोपहर एक बार फिर भारी भूस्खलन होने से मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। पहाड़ी से बड़ी मात्रा में मलबा गिरने के कारण कंडारी मोटर मार्ग के साथ ही उसके ठीक नीचे से गुजर रहा हरबर्टपुर–यमुनोत्री हाईवे भी बाधित हो गया। हाईवे पर मार्ग बंद होने से दर्जनों वाहन जाम में फंस गए।

सारीगाड–कंडारी मोटर मार्ग पर भूस्खलन जोन लगातार आफत बना हुआ है। यहां हर दूसरे–तीसरे दिन पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा गिर रहा है, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। रविवार को दोपहर में अचानक हुए भूस्खलन के बाद कंडारी मार्ग पूरी तरह आवाजाही के लिए बंद हो गया। मलबा हाईवे तक पहुंचने से हरबर्टपुर–यमुनोत्री हाईवे पर भी यातायात प्रभावित हो गया। सूचना मिलने के बाद संबंधित विभाग की मशीनरी मौके पर पहुंची और मार्ग खोलने का काम शुरू किया। मार्ग बंद होने से कंडारी क्षेत्र के करीब 27 गांवों की आवाजाही प्रभावित हुई है। ग्रामीणों को आवागमन के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण जनपद की छह ग्रामीण सड़कें पिछले दो दिनों से जगह–जगह बाधित हैं।

उत्तरकाशी का जगन्नाथ मंदिर पर्यटन मानचित्र पर नहीं

उत्तरकाशी। वरुणाघाटी के साल्ड गांव का जगन्नाथ मंदिर सरकारी व्यवस्था की अनदेखी के कारण पर्यटन मानचित्र पर स्थान नहीं पा सका है। यह ओडिशा के बाद देश का दूसरा जगन्नाथ मंदिर है। वर्ष 2023 में इसके विकास के दावे किए गए थे। वर्ष 2023 में ओडिशा के अभिनेता सब्यसाची के मंदिर आने के बाद इसकी राष्ट्रस्तर पर चर्चा हुई थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और कैलाश विजयवर्गीय ने इसके विकास की बात कही थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे जगन्नाथपुरी की तर्ज पर विकसित करने का दावा किया था। शासन–प्रशासन ने भी पर्यटन विभाग से विस्तृत कार्ययोजना बनाने की बात कही। हालांकि, उसमें केवल मंदिर के पैदल मार्ग और गेट का ही निर्माण हो पाया। इसके बाद शासन–प्रशासन इसे भूल गया। यह मंदिर जनपद की पौराणिक पंचकोसी यात्रा का मुख्य पड़ाव भी है। जिला पंचायत सदस्य कुलदीप नेगी ने बताया कि अभिनेता के प्रचार के बाद से हर वर्ष श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर को जोड़ने वाली सड़क बदहाल है। यात्रियों को उचित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, जिससे उन्हें परेशानी होती है। जिला पर्यटन अधिकारी कुशाल सिंह नेगी ने कहा कि लोगों की ओर से प्रस्ताव दिया गया है।

17 अक्टूबर को बंद होंगे चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट

चमोली। चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर के कपाट 17 अक्तूबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। 20 को रुद्रनाथ की उत्सव डोली विधि–विधान से अपने शीतकालीन गद्दीस्थल गोपीनाथ मंदिर में विराजमान हो जाएगी।

रुद्रनाथ के पुजारी आचार्य पंडित हरीश भट्ट ने बताया कि 17 को कार्तिक सक्रांति पर्व पर शाम 7 बजकर 47 मिनट पर सूर्य के तुला राशि में प्रवेश के साथ ही मंदिर के कपाट बंद होने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

रात 8 बजे मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। 18 को रुद्रनाथ की डोली प्रातः आठ बजे मंदिर से प्रस्थान कर रात्रि प्रवास के लिए डुमक गांव पहुंचेगी। 19 को कुजौं गांव, 20 को देवर गांव होते हुए शीतकालीन गद्दीस्थल गोपीनाथ मंदिर में विराजमान हो जाएगी।

फूड वैन संचालकों पर शिकंजा नहीं कस पा रहा परिवहन विभाग

ऋषिकेश। ऋषिकेश संभाग में परिवहन विभाग फूड वैन संचालकों पर शिकंजा नहीं कस पा रहा है। स्थिति यह है कि कबाड़ हो चुके लोडर और निजी वाहन को फूड वैन में तब्दील कर इनमें खाना बेचा जा रहा है। इससे परिवहन विभाग को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। इसी के साथ ही इन वाहनों से सड़क पर अतिक्रमण भी हो रहा है जिससे आवाजाही में परेशानी हो रही है।

वर्तमान में जौलीग्रांट एयरपोर्ट के बाहर सात से आठ फूड वैनों का संचालन किया जा रहा है। हालांकि जानकारी के मुताबिक इनमें सिर्फ एक फूड वैन के ही कागज सही हैं। बाकी अधिकांश कबाड़ हो चुकी की फूड वैन में खाना परोसा जा रहा है। जो फूड वैन प्राइवेट नंबरों पर संचालित हो रही हैं उन्हें परिवहन विभाग की ओर से अब तक व्यावसायिक वाहन के रूप में भी पंजीकृत नहीं करवाया गया है। वहीं, ऋषिकेश तहसील में भी तीन फूड वैन का संचालन किया जा रहा है। इनमें से दो फूड निजी नंबरों से संचालित की जा रही हैं। परिवहन विभाग की दोर से इन दोनों वैन को ना तो व्यावसायिक नंबर में ट्रांसफर करवाया गया है न ही इन पर कोई चालानी कार्रवाई की जा रही है और न ही सीज किया गया है। ऐसे ही कई फूड वैन तपोवन पुलिस चौकी से करीब 300 मीटर की दूरी पर लगे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे तपोवन से नीरगड्डू पर करीब 10 से 12 फूड वैन बिना कागजों के संचालित हो रही हैं। सीमा डेंटल कॉलेज, एम्स के पास पशुपालन विभाग के कार्यालय के बाहर भी फूड वैन संचालित हो रही हैं।

कबड्डी में भेलुता, खो–खो में खेत और भेलुंता जीता

लंबगांव (टिहरी)। प्रतापनगर की संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के जूनियर बालक–बालिका वर्ग कबड्डी में जूनियर हाईस्कूल भेलुंता की टीम विजयी रही। बालक वर्ग खो–खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय खेत व बालिक में उच्च प्राथमिक विद्यालय भेलुंता विजेता रहा। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। राजकीय इंटर कॉलेज माजफ में सिलवाल गांव संकुल की खेलकूद प्रतियोगिता का पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला ने शुभारंभ किया। प्राथमिक बालिका वर्ग 50 मीटर में सुहाना, 100 और 200 में प्रियांशी, 400 मीटर में मोनिका प्रथम स्थान पर रही। जूनियर बालिका वर्ग 100 मीटर में बंदना, 200 में अवनी 400 में कल्पना तथा 600 मीटर में शीतल प्रथम रही। बालक वर्ग 100 मीटर में सिद्धार्थ, 200 में सुशील, 400 में कुश तथा 600 मीटर में रोहित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक बालक वर्ग 50 मीटर में अरविंद, 100 में हरीश, 200 और 400 मीटर में अनुराग प्रथम स्थान पर रहे।

मेडिकल कॉलेज के लिए सत्याग्रह पर डटे आंदोलनकारी

नई टिहरी। मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर बौराड़ी गणेश चौक में चल रहा क्रमिक अनशन और सत्याग्रह रविवार को 13वें दिन भी जारी रहा। डा. एपीजे अब्दुल कलाम विचार मंच के असद आलम और सुरेंद्र खत्री क्रमिक अनशन पर बैठे रहे।

अनशनकारियों ने कहा कि 1 अगस्त से भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य जीतराम भट्ट मांग के समर्थन में लगातार सत्याग्रह कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी मांग पर सुनवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज को लेकर लंबे समय से क्षेत्र में जनभावना बनी हुई है। जीतराम भट्ट के साथ सरताज अली, नरेंद्र परमार, राजेश नेगी, संजय बिष्ट, हाशिम बख्श, फहाद शेख, अब्दुल मारूफ, राहुल नौटियाल, राजू शर्मा, मुकीम खान, विपिन जैन, नवजीत, इमरान खान, इमरान अन्नू, शमशेर गौड़ सत्याग्रह पर बैठे रहे।

एक नजर

बिजली की तेज गड़गड़ाहट से सहमे क्षेत्रवासी

जौलीग्रांट। क्षेत्र में करीब एक हफ्ते बाद तेज बारिश हो रही है। सुबह 11 बजे से लेकर करीब दो बजे तक क्षेत्र में खूब बारिश हुई। बारिश से खेत खलियान, सड़कें आदि लबालब पानी से भर गए। बारिश के दौरान तीन बार बिजली की तेज गड़गड़ाहट से क्षेत्रवासी सहम गए। तेज गड़गड़ाहट के कारण बिजली गुल हो गई जिसके बाद ऊर्जा निगम की टीम की ओर से क्षेत्र में घूमकर पैट्रोलिंग की गई लेकिन कहीं पर भी लाइनों में कोई खराबी नहीं पाई गई। इसके करीब एक घंटे बाद आपूर्ति सुचारु कर दी गई। बारिश से कुछ जगहों पर धान की फसल गिरने की भी सूचना है। कुछ स्थानों पर विद्युत उपकरण खराब हुए हैं। एयरपोर्ट मौसम विभाग ने सुबह 8:30 बजे से लेकर शाम 5:30 बजे तक कुल 68 मिमी बारिश दर्ज की। अधिकतम तापमान 28 और न्यूनतम तापमान 24.20 डिग्री दर्ज किया। ऊर्जा निगम के उपखंड अधिकारी मदन मोहन बहुगुणा ने कहा कि बिजली की तेज गड़गड़ाहट के कारण लाइन ट्रिप हुई थी। लेकिन कोई खास नुकसान नहीं हुआ है। जिसके बाद लाइन को चालू कर दिया गया।

जागरूकता शिविर में दी साइबर फ्रॉड से बचाव की जानकारी

डोईवाला। पब्लिक इंटर कॉलेज में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून की ओर से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इसमें छात्र छात्राओं को साइबर फ्रॉड से बचने के तौर तरीके समझाए गए। शिविर के माध्यम से महिला सुरक्षा और अन्य दस्तावेज के संबेध में जानकारियां दीं गईं। विधिक जागरूकता शिविर में पैरा लीगल वॉलिंटियर सोनू कुमार और सुमन रानी ने छात्रों को साइबर फ्रॉड संबंधित जानकारियां दीं।

कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए अनजान लिंक पर क्लिक ने करें, ओटीपी और बैंक संबंधित जानकारी किसी से भी साझा न करने की सलाह दी गई। प्रधानाचार्य अंकित डोबरियाल ने कहा कि वर्तमान समय में छात्रों को पढ़ाई के साथ अपने कानूनी अधिकारों और जिम्मेदारियों की जानकारी होना भी बेहद जरूरी हो गया है।

विशेषकर साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में जागरूकता ही इसस बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। कहा कि इस तरह के शिविर में छात्रों को कानून के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक आलोक जोशी, ओमप्रकाश काला आदि मौजूद रहे।

स्कूटी खाई में गिरी, एक घायल

द्रप्रयाग। ग्राम स्यालसू के समीप तिलवाड़ा से तूनेटा जा रही एक स्कूटी खाई में गिरने से स्कूटी सवार सचिन (23) निवासी तिलवाड़ा (रुद्रप्रयाग) गंभीर रूप से घायल हो गया। जखोली चौकी प्रभारी अपर उपनिरीक्षक सोमवीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और एसडीआरएफ की मदद से घायल को खाई से सड़क तक पहुंचाया जिसके बाद पुलिस वाहन से उसे जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

नया बाजार में सीवर लीकेज से लोग परेशान

नैनीताल। तल्लीताल स्थित नया बाजार क्षेत्र में खुले में सीवर के बहने से लोग परेशान हैं। उन्होंने जल संस्थान से समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। क्षेत्र के मनोज साह, अमित साह, रमेश जोशी, संजय कांडपाल का कहना है कि सुबह वाहनों के टायरों से गंदा पानी फैल रहा है। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता अनीष पिल्लई का कहना है कि अधिनस्थों को भेजकर ठीक कराया जाएगा।

डीएम ने डख्याट गांव में लगाई चौपाल, सुनी समस्याएं

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने यमुना घाटी भ्रमण के दौरान विकासखंड नौगांव के डख्याटगांव स्थित मंदिर प्रांगण में ग्रामीण चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए अवस्थापना विकास, सड़क, पेयजल, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और युवाओं से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

चौपाल में ग्राम प्रधान बिशाल सिंह सहित ग्रामीणों ने गांव की विभिन्न समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। सड़क सुविधा को लेकर ग्रामीणों ने डांडा गांव छानी से तटाऊ महाविद्यालय तक स्वीकृत करीब तीन किलोमीटर मोटर मार्ग के निर्माण में हो रही देरी का मामला उठाया। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को मोटर मार्ग की अद्यतन स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय की जर्जर स्थिति के साथ ही पंचायत भवन और आंगनबाड़ी केंद्र के लिए भवन की आवश्यकता भी बताई। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी नौगांव को नए आंगनबाड़ी भवन के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

अधूरे जल जीवन मिशन कार्यों पर जताई नाराजगी

गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत अधूरे पड़े कार्यों के कारण प्रभावित हो रही पेयजल आपूर्ति पर भी जिलाधिकारी ने संज्ञान लिया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को नियमित पेयजल सुविधा मिल सके। युवाओं की समस्याओं और आवश्यकताओं पर चर्चा के दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय परिसर स्थित खेल मैदान के व्यवस्थीकरण और समतलीकरण के साथ ही युवाओं के लिए खेल सामग्री उपलब्ध कराने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

विभागीय संविदा में समायोजन करने की मांग

नैनबाग (टिहरी)। राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत योग प्रशिक्षकों ने विभागीय संविदा में समायोजन करने, नियमित पदों के सृजन और मानदेय बढ़ाने की मांग की है। योग प्रशिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, राज्य सभा सांसद व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। संघ के प्रदेश अध्यक्ष देवकी नंदन बमोला के नेतृत्व में उच्च शिक्षा मंत्री को दिए ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश के विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों में योग प्रशिक्षक विद्यार्थियों को नियमित योग प्रशिक्षण दे रहे हैं। इस मौके पर संघ के प्रदेश महासचिव अजय पांडेय, उपाध्यक्ष सुधीर रावत, सचिव चंद्रमोहन पंत, विवेक जोशी, राजमोहन सिंह रावत, मनोज गुसाई, नरेश राणा, दीपा मेहरा आदि मौजूद रहे।

कविता पाठ में पल्लवी और रिद्धिमा अव्वल

गोपेश्वर। विकासखंड दशोली में पांचवें सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में जूनियर और सीनियर वर्ग में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जूनियर वर्ग की हिंदी/स्थानीय कविता पाठ प्रतियोगिता में पल्लवी प्रथम, शौर्य चंद्र द्वितीय और अंशिका तृतीय रहीं। अंग्रेजी कविता पाठ में अंश त्रिपाठी, अनिरुद्ध व अंकिता, विज्ञान मॉडल में समीर, पियूष कुमार व आईशा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। विज्ञान प्रश्नोत्तरी में राइंका गौणा की टीम के सागर, प्रशांत व रिया प्रथम, जबकि विज्ञान नाटक में राइंका नैग्वाड़ की अंशिका, ईशा, आकृति, अलिशा, प्रिया, जानवी, यशश्री व चंद्रा प्रथम रहीं।

सीनियर वर्ग की हिंदी/स्थानीय कविता पाठ में रिद्धिमा राणा, निधि, स्मृति, अंग्रेजी कविता पाठ में सृष्टि, वैष्णवी व तरुण तथा विज्ञान मॉडल में सिया, अनन्या और अभिनव क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। मुख्य अतिथि कर्मवीर सिंह, ब्लॉक समन्वयक गीता डिमरी, सह समन्वयक दीवान सिंह नेगी और जनपदीय समन्वयक नरेंद्र सिंह रावत ने बाल वैज्ञानिकों के मॉडलों का अवलोकन किया। निर्णायक मंडल में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित आत्मप्रकाश डिमरी, राजकिशोर सिंह रावत, धनपति शाह, मनोज तिवारी, ओमप्रकाश पुरोहित, तजेंद्र मनराल, सुरेंद्र सिंह रावत समेत कई शिक्षक–शिक्षिकाएं शामिल रहे।

तेज बारिश से धान–गन्ने की फसल गिरी

डोईवाला। तेज बारिश के कारण डोईवाला क्षेत्र के कई गांवों में धान और गन्ने की फसल गिर गई है। बड़ी मात्रा में फसल गिरने से किसानों को उत्पादन प्रभावित होने की चिंता सताने लगी है। खेतों में बनी नमी और जलभराव के बीच गिरी फसल में चूहों और अन्य कीटों का प्रकोप बढ़ने का खतरा भी बना हुआ है। विकासखंड में इस समय धान की फसल महत्वपूर्ण अवस्था में पहुंच चुकी है। कई खेतों में धान की बालियां निकलने लगी हैं और दाना बनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। किसानों का कहना है कि पौधे गिरने से बालियों को पर्याप्त धूप और हवा नहीं मिल पाएगी, जिससे दाना बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। लगातार बारिश होने पर खेतों में जलभराव से फसल को और नुकसान पहुंचने की आशंका है।झबरावाला निवासी किसान रणजोध सिंह ने बताया कि बुल्लावाला और झबरावाला गांव में बारिश के कारण बड़ी मात्रा में फसल जमीन पर गिर गई है। इसका सीधा असर पैदावार पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद गिरी फसल को दोबारा संभालना किसानों के लिए बेहद मुश्किल होता है। कृषि विशेषज्ञ डीएस असवाल ने बताया कि बारिश के कारण फसल गिरने पर कीट और चूहों का प्रकोप बढ़ सकता है। किसानों को खेतों में जलभराव नहीं होने देना चाहिए और गिरी हुई फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। वहीं, रविवार सुबह हुई तेज बारिश से जनजीवन भी प्रभावित रहा। बाजारों में सामान्य दिनों की अपेक्षा कम रौनक रही। देर अपराह्न बारिश थमने के बाद धूप खिलने पर लोगों ने राहत की सांस ली।

कबाड़ से तैयार हुईं पहाड़ और पराक्रम की कलाकृतियां

हल्द्वानी। कुमाऊं के प्रवेश द्वार काठगोदाम रेलवे स्टेशन की तस्वीर अब बदलने लगी है। कभी ब्रिटिशकालीन दौर के कुमाऊं टाइगर इंजन की वजह से यात्रियों के आकर्षण का केंद्र रहने वाला यह स्टेशन अब कबाड़ के लोहे से गढ़ी कलाकृतियों से अपनी नई पहचान बनाएगा। भारतीय रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन संवारा जा रहा है। इसके लिए स्टेशन के प्रवेश द्वार के पास लोहे के स्क्रैप से तैयार नाव के साथ खड़े नाविक और सैनिकों की आकर्षक प्रतिमा स्थापित हो गई हैं।

काठगोदाम स्टेशन पर वर्षों से नजर आने वाले कुमाऊं टाइगर इंजन को स्टेशन परिसर से हटाकर हाईवे किनारे रेलवे की भूमि पर शिफ्ट कर दिया। अब उसी जगह और स्टेशन परिसर की नई सजावट में कला का एक अलग रंग नजर आ रहा है। स्टेशन के प्रवेश द्वार के पास आकर्षक प्रतिमाएं यात्रियों का आकर्षण बनी हुई हैं।

इन प्रतिमाओं की खासियत यह है कि इन्हें चमचमाती नई धातु से नहीं बल्कि रेलवे के जर्जर लोहे और कबाड़ से तैयार किया गया है। पुरानी लोहे की चादरें, नट–बोल्ट और दूसरे अनुपयोगी धातु के सामान को कलाकारों ने आकार देकर आकर्षक प्रतिमाओं में बदल दिया। रेलवे स्टॉफ के अनुसार प्रतिमाओं के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया गया था। तैयार होने के बाद इन्हें अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन के आसपास अलग–अलग स्थानों पर स्थापित किया जा रहा है।

स्टेशन पर दिखेगा पहाड़ और पराक्रम

नाव और नाविक की प्रतिमा काठगोदाम के उस भूगोल की ओर भी संकेत करती है, जहां से पहाड़ों की यात्रा शुरू होती है। सैनिकों की प्रतिमाएं उत्तराखंड की सैन्य परंपरा और वीरभूमि की पहचान को सामने रखेंगी। स्टेशन परिसर में बृहस्पतिवार की दोपहर ट्राले से पहुंची विशालकाय प्रतिमा उतारी भी नहीं गई थी कि लोग सेल्फी लेने लगे।

युवा सम्मेलन व खेलकूद प्रतियोगिता हुई

गुप्तकाशी। राजकीय इंटर कॉलेज में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड शाखा ऊखीमठ का युवा सम्मेलन प्रतियोगिताओं के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में खो–खो, ताला चाबी, जलेबी दौड़, रस्साकशी आदि प्रतियोगिताएं हुईं। इस अवसर पर युवाओं में बढ़ती नशे के प्रवृत्ति पर रोक लगाने एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर खंड संघ चालक दलवीर पुजारी, जिला कारवां शैलेंद्र गौड़, जिला पर्यावरण प्रमुख सुरेंद्र दत्त नौटियाल, खंड कारवां आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का सबसे अधिक आकर्षक रस्साकशी रहा।

संक्षिप्त समाचार

भूकंप से फिर हिल उठी तिब्बत की धरती, रिक्टर स्केल पर कितनी रही तीव्रता?

ल्हासा , एजेंसी। भारत के पड़ोस में तिब्बत की धरती शुक्रवार को भूकंप से हिल उठी है। बीते कुछ दिनों से इस क्षेत्र में बार-बार भूकंप की घटना देखने को मिल रही है। आइए जानते हैं कि रिक्टर स्केल पर कितनी रही इस भूकंप की तीव्रता। भारत समेत दुनियाभर के अनेक देशों में लगातार हो रही भूकंप की घटनाओं ने लोगों के मन में डर बैठा दिया है। भूकंप के कारण बीते कुछ समय में हजारों लोगों की मौत भी हुई है। अब भारत के पड़ोस में स्थित तिब्बत में भी शुक्रवार को सुबह-सुबह भूकंप के कारण धरती हिल उठी है। सामने आई जानकारी के अनुसार, तिब्बत में आए इस भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने शुक्रवार को तिब्बत में आए भूकंप के बारे में जानकारी दी है। संस्थान के अनुसार, शुक्रवार को सुबह 4 बजकर 2 मिनट पर तिब्बत में भूकंप आया है। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.7 मापी गई है। इस भूकंप का केंद्र धरती से 30 किलोमीटर की गहराई में था। आपको बता दें कि इससे पहले 8 सितंबर को भी तिब्बत में 5.3 तीव्रता का भूकंप आया था। इस भूकंप के झटके नेपाल में भी महसूस किए गए थे। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया है कि शुक्रवार को सुबर 6 बजकर 56 मिनट पर पश्चिम बंगाल में भी भूकंप के झटके लगे हैं। जानकारी के अनुसार, ये भूकंप राज्य के अलीद्वारपुर में आया है। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3 मापी गई है। भूकंप का केंद्र धरती से 9 किमी की गहराई में था। इसके अलावा शुक्रवार को अफगानिस्तान में भूकंप के झटके लगे हैं। ये भूकंप 3.5 की तीव्रता का था और इसका केंद्र धरती से 163 किलोमीटर भीतर था। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भूकंप आने का कारण मुख्य तौर पर धरती के भीतर मौजूद टेक्टोनिक प्लेटों का आपस में टकराना, रगड़ना या खिसकना होता है। इसके कारण जमीन के अंदर जमा ऊर्जा अचानक से बाहर की ओर निकलती है। इसके कारण धरती पर भूकंप के झटके महसूस किए जाते हैं। कई बार भूकंप हल्की तीव्रता के होते हैं। हालांकि, कई बार भूकंप की तीव्रता इतनी ज्यादा होती है कि वह एक बड़े इलाके को पूरी तरह तबाह कर देती है और हजारों लोगों की मौत का कारण बनती है।

क्रोएशिया के स्कूल में छात्र ने दो को मारा चाकू;

जाग्रेब, एजेंसी। क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब के एक हाईस्कूल में शुक्रवार को एक छात्र ने दूसरे छात्र और स्कूल के एक कर्मचारी पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, हमले में किसी धारदार वस्तु का इस्तेमाल किया गया। घायल छात्र को कई चोटों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी सर्जरी हुई। डॉक्टरों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है। स्कूल कर्मचारी के चेहरे पर चोट लगी है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों छात्रों के बीच एक दिन पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

अल्जीरिया ने यूएई से तोड़े राजनयिक संबंध

अल्जीरिया, एजेंसी। अल्जीरिया ने गुरुवार को संयुक्त अरब अमीरात से राजनयिक संबंध तोड़ दिए। अल्जीरियाई विदेश मंत्रालय ने कथित 'उकसाने वाली और शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों' तथा 'अनुचित व्यवहार' का हवाला दिया। संयुक्त अरब अमीरात ने इस फैसले को अस्थायी होने की उम्मीद जताई है।

मोहम्मद बिन सलमान चाहते थे अमेरिका करे हूतियों पर हमला, दो बार लगाया फोन पर नहीं मानें ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। इस साल 28 फरवरी को शुरू हुए पश्चिम एशिया में संघर्ष थमने का नाम नही ले रहा है। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच जारी युद्ध के अलावा अब सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच भी तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिका से हूतियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की अपील की है। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, मामले को लेकर सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दो बार फोन पर बात की। उन्होंने ट्रंप से हूतियों के खिलाफ हमला करने का आग्रह किया। हूतियों ने लाल सागर के एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को रोक रखा है।

अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया की ड्रिल से भड़का उत्तर कोरिया! किम जोंग ने समुद्र में दाग दीं कई मिसाइलें

सियोल, एजेंसी। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की 5 दिवसीय सैन्य ड्रिल खत्म होते ही उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर कई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दाग दीं। दक्षिण कोरिया और उसके पड़ोसी देशों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने खिलाफ उकसावे की कार्रवाई मानता है। यह करीब 3 हफ्ते बाद उत्तर कोरिया का पहला बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च है। इससे पहले भी उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों का विरोध करते हुए मिसाइल परीक्षण कर चुका है।

वॉनसान इलाके से दागी गई मिसाइलें : दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक, उसने उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके वॉनसान से कई मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया। मिसाइलों ने करीब 250 किलोमीटर की दूरी तय की और उत्तर कोरिया के पूर्वी समुद्री इलाके की ओर गईं। दक्षिण कोरियाई सेना ने अपनी निगरानी व्यवस्था बढ़ा दी है। साथ ही मिसाइल लॉन्च को लेकर अमेरिका और जापान के साथ लगातार जानकारी साझा की जा रही है। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया से बैलिस्टिक मिसाइलों की फायरिंग रोकने की अपील की है।

सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया मानता है उकसावा : अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने शुक्रवार को अपना 5 दिवसीय 'फ्रीडम एज' सैन्य अभ्यास तय कार्यक्रम के मुताबिक खत्म किया। अमेरिकी पैसिफिक कमांड के मुताबिक, तीनों देशों की सेनाओं ने हवा, समुद्र और साइबर क्षेत्र में एक साथ अभ्यास किया। इसका मकसद आपसी तालमेल और संयुक्त सैन्य क्षमता को मजबूत करना था। अभ्यास में समुद्री युद्धाभ्यास, हवा में ईंधन भरने की ट्रेनिंग, साइबर समन्वय और मेडिकल ड्रिल जैसी गतिविधियां शामिल थीं। उत्तर कोरिया इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरा और संभावित हमले की तैयारी के तौर पर देखता है।

अमेरिका बोला, 'तत्काल कोई खतरा नहीं' : अमेरिकी पैसिफिक कमांड ने कहा कि उत्तर कोरिया की मिसाइल लॉन्चिंग से अमेरिकी क्षेत्र या उसके सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। कमांड ने कहा कि अमेरिका अपने देश और क्षेत्र में अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दक्षिण कोरियाई सेना ने पहले ही कहा था कि यह अभ्यास रक्षात्मक है और इसका मकसद उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे की स्थिति में तीनों देशों की संयुक्त प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाना है, लेकिन उत्तर कोरिया ये बात नहीं मानता।

उत्तर कोरिया ने पहले ही दी थी धमकी : सोमवार को तीन देशों का सैन्य अभ्यास शुरू होने के कुछ घंटे बाद उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री किम सोंग गी ने इसकी आलोचना की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि उत्तर कोरिया अपनी ताकत के आधार पर 'मजबूत और निर्णायक जवाबी कदम' उठाएगा। इसके बाद अब मिसाइल लॉन्च को उसी चेतावनी के जवाब में उठाए गए कदम के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पहले उत्तर कोरिया की सेना ने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के एक अन्य सैन्य अभ्यास के बाद करीब 10 कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें समुद्र की ओर दागी थीं।

परमाणु ताकत बढ़ाने पर किम का जोर : उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने हाल ही में देश के दूसरे नौसैनिक विध्वंसक जहाज को सेवा में शामिल करने के कार्यक्रम में अधिक भरोसेमंद परमाणु प्रतिरोधक क्षमता बनाने की जरूरत बताई थी। उसके दोनों विध्वंसक जहाज परमाणु क्षमता वाली मिसाइलें ले जाने में सक्षम हैं। दूसरे विध्वंसक जहाज को पिछले साल लॉन्च करने की कोशिश के दौरान नुकसान पहुंचा था। मरम्मत के बाद उसे दोबारा लॉन्च किया गया। किम जोंग उन का पूरा फोकस अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को बढ़ाने पर है।

ट्रंप के कदम के बाद भी नहीं माने किम : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने पेंटागन को दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले वार्षिक 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' सैन्य अभ्यास को काफी कम करने का आदेश दिया था। ट्रंप ने इसके पीछे किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का हवाला दिया था। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने देश पर संभावित हमले की रिहर्सल मानता है। लेकिन किम जोंग उन की बहन और उत्तर कोरिया की वरिष्ठ अधिकारी किम यो जोंग ने ट्रंप के इस फैसले को भी खारिज कर दिया था।

रूस और चीन से बढ़ती नजदीकी भी अहम : विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर कोरिया अब अपने बढ़ते परमाणु कार्यक्रम और रूस तथा चीन के साथ मजबूत होते संबंधों के कारण पहले से ज्यादा आत्मविश्वास में है। जानकारों के मुताबिक, किम जोंग उन संभावित अमेरिका-उत्तर कोरिया बातचीत में अमेरिका से ज्यादा रियायतें हासिल करना चाहते हैं। किम जोंग उन ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि अगर अमेरिका उत्तर कोरिया के खिलाफ अपनी 'शत्रुतापूर्ण नीति' छोड़ देता है और उत्तर कोरिया को परमाणु शक्ति के रूप में उसकी स्थिति का सम्मान करता है।

हूती विद्रोहियों ने बाब अल मंदब जल डमरू मध्य में मायून द्वीप पर कब्जा किया

अदन, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को बाब अल मंदब जलडमरूमध्य में रणनीतिक रूप से अहम मायून द्वीप पर कब्जा कर लिया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी को सरकारी अधिकारी ने बताया कि सैनिकों के पीछे हटने के बाद हूती विद्रोहियों ने कार्रवाई की। नाम नहीं बताने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि हूती विद्रोही शुक्रवार तड़के कई नावों से द्वीप पर पहुंचे और बिना किसी सैन्य प्रतिरोध के उस पर कब्जा कर लिया। हूतियों ने पास के तट पर बख्तरबंद गाड़ियां और अन्य सैन्य उपकरण भी तैनात किए। अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को लाल सागर के बंदरगाह शहर मोचा पर हूती विद्रोहियों के कब्जे के बाद सरकारी सैनिकों के दक्षिण की ओर पीछे हटने पर हूती विद्रोही जलडमरूमध्य के पास धुबाब जिले में भी आगे बढ़ गई है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मायून (जिसे पेरिम भी कहा जाता है) बाब अल मंदब के भीतर स्थित है और संकरे जलमार्ग को दो शिपिंग चैनलों में विभाजित करता है। यमन के पश्चिमी तट पर हूती विद्रोहियों की हालिया बढ़त के बाद इस पर कब्जा करने से समूह को लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग पर नजर रखने वाली प्रमुख जगहों पर नियंत्रण मिल गया है। हूती विद्रोहियों ने भीषण लड़ाई के बाद मोचा पर कब्जा किया और इसके रणनीतिक बंदरगाह, हवाई अड्डे और प्रमुख सरकारी सुविधाओं पर नियंत्रण कर लिया। पिछले सप्ताह एक बड़ा

हमला शुरू करने के बाद से उन्होंने यमन के पश्चिमी तट पर तेजी से इलाकों पर कब्जा किया है। यमन और हॉर्न ऑफ अफ्रीका के बीच स्थित बाब अल मंदब अंतरराष्ट्रीय व्यापार और ऊर्जा शिपमेंट के लिए एक महत्वपूर्ण गलियारा है, जो लाल सागर और स्वेज नहर को अदन की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ता है। यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हंस ग्रंडबर्ग ने गुरुवार को चेतावनी दी कि यमन में फिर से शुरू हुई लड़ाई से देश के एक बड़े और अनसुलझे क्षेत्रीय टकराव में घिरने का खतरा है, जिसके वैश्विक परिणाम हो सकते हैं। पिछले 24 घंटों में, यमन में कई मोर्चों पर लड़ाई तेज हो गई है, खासकर रणनीतिक पश्चिमी तट पर। ग्रंडबर्ग ने सुरक्षा परिषद को एक ब्रीफिंग में बताया कि हूती विद्रोहियों ने मोखा सहित कई जगहों पर बड़ा हमला किया। मोखा बंदरगाह शहर बाब अल मंदब से लगभग 75 किमी दूर स्थित है। बाब अल मंदब वह महत्वपूर्ण बिंदु है जो लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है उन्होंने कहा, 'उन्होंने मोखा पर नियंत्रण कर लिया है, जिससे दुनिया के सबसे अहम जलडमरूमध्य में से एक के रास्तों पर उनकी सीधी मौजूदगी हो गई है।

यूक्रेन पर रूस के हमले जारी, शॉपिंग मॉल के पास ड्रोन से किया हमला, पांच की मौत

कीव , एजेंसी। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले कर कम से कम पांच लोगों की जान ले ली और 67 लोग घायल हो गए। यूक्रेनी मंत्री ने कहा कि शॉपिंग मॉल के पास दिनदहाड़े नागरिकों को निशाना बनाया गया, जो नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''रूस ने पावलोहराद में ड्रोन हमले करके पांच लोगों की जान ले ली। हमलों में 67 लोग घायल हुए हैं। दिनदहाड़े ड्रोन हमलों में शॉपिंग मॉल के पास मौजूद आम नागरिकों को निशाना बनाया गया। इसे नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया आतंक फैलाने वाला हमला बताया गया है।'' सिबिहा ने कहा कि रूस लगातार उन जगहों पर हमले कर रहा है, जहां उसे पता है कि लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी के कामों में व्यस्त होंगे। इसका मकसद ज्यादा से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाना, डर फैलाना और यूक्रेनी समाज पर दबाव बनाना है। उन्होंने बताया कि पूरे यूक्रेन में हवाई हमलों की चेतावनियां लगातार जारी हैं। रूस लगातार बड़ी संख्या में ड्रोन लॉन्च कर रहा है और कुछ मामलों में तो सीधे उत्पादन केंद्रों से ही उन्हें भेजा जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मॉस्को ऐसा इसलिए कर पा रहा है क्योंकि उसके पास अभी भी मिसाइलें, ड्रोन, उनके पुर्जे, पर्याप्त धन और बिना किसी डर के कार्रवाई करने की क्षमता मौजूद है। सिबिहा ने इस रणनीति को दबाव बनाने की नीति बताया। रूस का मानना है कि नागरिक क्षेत्रों पर लगातार हमले करके यूक्रेन के लोगों को थकाया जा सकता है और यूक्रेन को समझौते करने के लिए मजबूर किया जा सकता है। सिबिहा ने कहा कि यूक्रेन को तुरंत अतिरिक्त एयर डिफेंस सिस्टम और उन्हें चलाने के लिए जरूरी इंटरसेप्टर मिसाइलों की जरूरत है। साथ ही रूस के हथियार निर्माण उद्योग और उसे चलाने वाली आपूर्ति श्रृंखलाओं (सप्लाई चेन) पर और सख्त प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए।

बघाई ने पीट हेगसेथ के बयान पर बोला हमला, कहा- 9/11 की आड़ में ईरान के खिलाफ जंग को सही ठहरा रहा अमेरिका

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने वाशिंगटन के रुख पर कड़ा एतराज जताते हुए अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार 9/11 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमलों की 25वीं बरसी का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ एक 'लापरवाह और गैर-कानूनी युद्ध' को सही ठहराने के लिए कर रही है। बघाई ने अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के उस बयान की कड़ी निंदा की, जो उन्होंने 9/11 के एक स्मृति समारोह के दौरान दिया था। ईरानी प्रवक्ता ने अमेरिकी विदेश नीति के बुनियादी अंतर्विरोधों पर सवाल उठाते हुए आतंकवाद की परिभाषा तय करने के वाशिंगटन के 'अकेले अधिकार' को खारिज कर दिया।

इस्माइल बघाई ने क्या कहा: बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि 9/11

हमले के जिम्मेदार लोग ईरानी नहीं थे। उन्होंने अमेरिका की आतंकवाद के खिलाफ नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका खुद दूसरे देशों में सैन्य कार्रवाई करता है, अधिकारियों की हत्या करता है और आम नागरिकों को निशाना बनाता है, फिर भी आतंकवाद की परिभाषा तय करने का अधिकार अपने पास रखता है। ऐतिहासिक दावों का खंडन करते हुए बघाई ने स्पष्ट किया कि 2001 के हमलों में ईरान की कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा कि 9/11 के हमलावर ईरानी नहीं थे, बल्कि ये वही लोग थे जिन्हें पिछले दशकों में खुद अमेरिका ने हथियार दिए, संगठित किया और तैयार किया था।

बघाई ने कहा कि 9/11 के बाद अमेरिका के तथाकथित 'आतंक के खिलाफ युद्ध' ने इराक और अफगानिस्तान में केवल दशकों का कब्जा, विनाश और निर्दोष नागरिकों की मौतें दीं। उन्होंने हेगसेथ के इस रुख को पूरी तरह बेतुका बताते हुए कहा कि किसी संप्रभु देश के अधिकारियों की हत्या करने और महिलाओं व बच्चों सहित आम नागरिकों को निशाना बनाने वाले आपराधिक युद्ध को आतंकवाद-निरोध के नाम पर नैतिक रूप से सही नहीं ठहराया जा सकता। बघाई ने अमेरिकी नीति का मजाक उड़ाने के लिए फिल्म 'डेस्पिकेबल मी' का लोकप्रिय 'ग्रूज प्लान' मीम भी साझा किया। दूसरी तरफ, अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने अपने आक्रामक भाषण में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को अमेरिका के आतंकवाद-विरोधी अभियान से जोड़ा था। हेगसेथ ने दावा किया कि पिछले छह महीनों में अमेरिकी सैनिकों ने आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजक को तहस-नहस कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरानी नेताओं को मार गिराया है, उनकी वायुसेना को तबाह किया है और उनकी नौसेना व तेल टैंकरों को समुद्र में डुबो दिया है। हेगसेथ ने जोर देकर कहा कि अमेरिका जलडमरूमध्य पर नियंत्रण रखता है, आर्थिक दबाव बढ़ा रहा है और ईरान को कभी परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा। उन्होंने बाइबिल के वचनों और फ्लाइट 93 के यात्री टॉड बीमर के प्रसिद्ध शब्दों 'लेट्स रोल' का हवाला देते हुए इस लड़ाई को खत्म करने का संकल्प जताया।

अमेरिका: अलास्का के ठंडे समुद्र में पलटी नाव पर दो दिन चिपका रहा 15 साल का किशोर; कैसे बची जान? भाई की मौत

अलास्का, एजेंसी। अलास्का के ठंडे बेरिंग सागर में 15 साल का एक लड़का करीब दो दिन तक पलटी हुई छोटी नाव के ऊपर चिपका रहा। बाद में मछली पकड़ने वाली एक नाव ने उसे बचा लिया। उसके साथ मछली पकड़ने गए बड़े भाई और एक रिश्तेदार की जान नहीं बच सकी।

किशोर ने बचाव दल के एक सदस्य को बताया कि वह और उसका रिश्तेदार कुछ समय तक पलटी नाव को पकड़े रहे। इसके बाद उसका रिश्तेदार पानी में फिसलकर गिर गया। बाद में किशोर के भाई और रिश्तेदार दोनों के शव बरामद कर लिए गए।

उसे रूस के ज्यादा करीब स्थित सेंट लॉरेंस द्वीप के पास समुद्र से

बचाया गया। यह अलास्का का एक दूरदराज द्वीप है। यह अमेरिका की मुख्य भूमि के मुकाबले रूस के ज्यादा करीब है। मछली पकड़ने वाली नाव द नॉर्थवेस्ट एक्सप्लोरर के कप्तान एडम व्हाइट ने बताया कि किशोर अंधेरे में भी नाव से चिपका रहा। समुद्र के पानी का तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस था। कप्तान ने उसकी हिम्मत की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत मजबूत बच्चा है। उन्होंने बताया कि किशोर के दांत ठंड से कांप रहे थे। उसने बताया कि उसका भाई अभी भी नाव के नीचे है। उसने यह भी बताया कि बचाव से पिछली रात उसका रिश्तेदार पानी में गिर गया था। अमेरिकी तटरक्षक बल ने सोमवार सुबह तलाश शुरू की। परिवार के लोगों ने रविवार रात तीनों के लापता होने की सूचना दी थी। तीनों शुक्रवार को सेंट लॉरेंस द्वीप के सावूंगा गांव से निकले थे। उन्हें रविवार सुबह वापस लौटना था। सावूंगा गांव में हैलिबट मछली पकड़ना जीवन और संस्कृति का अहम हिस्सा है। गांव में करीब 800 लोग रहते हैं। यहां रोजगार के मौके भी कम हैं। किशोर की मौसी कोलन वॉकर ने बताया कि लोग अक्सर पकड़ी गई मछलियां परिवार और पड़ोसियों के साथ बांटते हैं।

नेपाल भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा: जलवायु परिवर्तन से क्षति के मुआवजे का उठता सवाल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की धरती पर हाल ही में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया है. जब एक हिमालयी देश अपनी उजड़ी हुई बस्तियों, टूटे हुए पुलों और तबाह हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने मुआवजे की मांग रखता है, तो यह केवल एक देश की पुकार नहीं रह जाती, बल्कि यह ग्लोबल साउथ की उस लंबी फेहरिस्त की आवाज बन जाती है जो बिना किसी गलती के ग्लोबल वार्मिंग की सबसे भारी कीमत चुका रहा है. नेपाल जैसे देशों ने कभी बड़े पैमाने पर कार्बन का उत्सर्जन नहीं किया, उनके यहां उद्योग-धंधे वह प्रदूषण नहीं फैलाते जो पश्चिमी या विकसित देशों में दशकों से चले आ रहे हैं, फिर भी प्रकृति के इस कहर का सबसे बड़ा दंश उन्हें ही झेलना पड़ रहा है. नेपाल की यह मुखर मांग अब पूरी दुनिया के सामने यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर इस तबाही का जिम्मेदार कौन है और क्या पीड़ित देशों को उनके नुकसान का हक मिलना चाहिए या नहीं. जलवायु परिवर्तन का संकट अब भविष्य की कोई काल्पनिक चेतावनी नहीं, बल्कि हमारे वर्तमान का एक खौफनाक सच बन चुका है. वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि पृथ्वी का औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से लगातार ऊपर जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप महासागर गर्म हो रहे हैं, मौसम का चक्र पूरी तरह बिगड़ चुका है और अति-वृष्टि, सूखा, चक्रवात तथा बादलों के फटने की घटनाएं आम हो गई हैं. दुनिया भर में जलवायु आपदाओं के कारण हर साल सैकड़ों अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हो रहा है. और विकासशील देशों में यह नुकसान उनकी कुल राष्ट्रीय आय का एक बड़ा हिस्सा निगल जाता है. विश्व बैंक और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि यदि तुरंत ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दशकों में करोड़ों लोगों को अपने घर-बार छोड़कर जलवायु शरणार्थी बनने पर मजबूर होना पड़ेगा. यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसमें उजड़ते हुए खेत, टूटते हुए मकान और उन अनगिनत इंसानों के आंसू हैं जिन्होंने अपनी मेहनत से अपनी दुनिया बनाई थी और एक झटके में सबकुछ खो दिया. इस पूरे संकट के केंद्र में एक बहुत बड़ा पाखंड छिपा हुआ है, जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. ऐतिहासिक रूप से जिन विकसित देशों ने अपने कारखानों और आधुनिक जीवनशैली से इस धरती के पर्यावरण को सबसे ज्यादा प्रदूषित किया, वे आज जब विकासशील देशों को मदद देने की बात आती है, तो अपने हाथ पीछे खींच लेते हैं. वे इसे दान या सहायता का नाम देते हैं, जबकि पर्यावरण और अर्थशास्त्र के जानकारों के अनुसार यह किसी भी सूरत में दान नहीं, बल्कि ऐतिहासिक कर्ज और मुआवजे की अदायगी है. जिन देशों ने सदियों तक पर्यावरण की कीमत पर अपनी तिजोरियां भरी हैं, उनकी नैतिक और विधिक जिम्मेदारी बनती है कि वे उन देशों को आर्थिक संबल दें जो उनके किए गए प्रदूषण की भारी कीमत चुका रहे हैं. एशिया और अफ्रीका के कई ऐसे देश हैं जो लगातार सूखे, चक्रवातों और बाढ़ की चपेट में आ रहे हैं, उनकी कृषि व्यवस्था बर्बाद हो रही है।

अमेरिकी मीडिया की नजर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बदलता समीकरण

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रमुख अखबारों ने नई दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को बदलते वैश्विक हालात की झलक के तौर पर देखा है। ये हालात तनावपूर्ण गठबंधनों, क्षेत्रीय युद्धों और वॉशिंगटन व बीजिंग के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा से तय हो रहे हैं। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक खबर में कहा कि इस शिखर सम्मेलन में सबसे अहम सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में से कौन विकासशील दुनिया की अधिक प्रभावशाली आवाज बनकर उभरेगा। चीन ब्रिक्स को अमेरिकी ताकत को चुनौती देने के एक प्लेटफॉर्म के तौर पर देखता है। वहीं, भारत चाहता है कि यह ग्रुप इतना बड़ा और खुला रहे कि देशों को अलग-अलग गुटों में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े। अखबार ने कहा कि युद्ध, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी टैरिफ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंताएं देशों को वॉशिंगटन और बीजिंग के साथ अपने रिश्तों पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं। वॉशिंगटन में स्टिमसन सेंटर के चीन प्रोग्राम की डायरेक्टर युन सन ने 'टाइम्स' को बताया, 'भारत को लेकर चीन की मुख्य चिंता हमेशा से भारत का अमेरिका के साथ झुकाव रही है। इसलिए बीजिंग निश्चित रूप से दिल्ली के साथ अपने रिश्तों को बेहतर बनाने का मौका नहीं गंवाना चाहेगा।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह दौरा सात साल में भारत का उनका पहला दौरा है। यह दौरा 2020 में सीमा पर हुई जानलेवा झड़प के बाद रिश्तों में आई लंबी खटास और 2024 में शुरू हुई सावधानी भरी कूटनीतिक सुधार की प्रक्रिया के बाद हो रहा है। शी 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। यह मुलाकात नई दिल्ली समिट को और भी अहम बनाती है, क्योंकि चीनी नेता अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बेहद अहम बातचीत की तैयारी कर रहे हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत और चीन के रिश्तों में अनिश्चितता ने इन दोनों परमाणु-हथियार वाले पड़ोसी देशों के लिए तनाव कम करने का मौका दिया है। तृप्ति लाहिड़ी और ऑस्टिन रैमजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में गिरावट आई थी, जिसकी वजह नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद जैसे मुद्दे थे। नई दिल्ली की जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में चीनी अध्ययन के प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने जर्नल को बताया, 'भारत स्थिति को फिर से संतुलित करने की कोशिश कर रहा है। अखबार ने कहा कि भारत-चीन संबंधों में कोई भी सुधार सीमा विवाद के अनसुलझे रहने, पाकिस्तान के साथ चीन के करीबी रिश्तों और हिंद महासागर में सुरक्षा प्रतिस्पर्धा की वजह से सीमित है। सुन ने जर्नल को बताया, 'चीनी पक्ष भी देख रहा है कि भारत सही समय का इंतजार कर रहा है और बेहतर विकल्पों पर काम कर रहा है, जो भविष्य में सामने आ सकते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इससे चीन-भारत संबंधों में मौजूदा सुधार की सतही प्रकृति और बढ़ जाती है। वाशिंगटन पोस्ट ने एसोसिएटेड प्रेस के पत्रकारों एजाज हुसैन और शेख सालिक की रिपोर्टें प्रकाशित कीं, जिनमें इस शिखर सम्मेलन को भारत के लिए एक मुश्किल संतुलन बनाने वाली कवायद बताया गया। रिपोर्टों में कहा गया कि बैठक में शामिल होने वाले नेताओं में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और शी शामिल थे। पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन से पहले पुतिन और पेजेश्कियान के साथ अलग-अलग बातचीत की। वाशिंगटन 'पोस्ट' में छपी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, इस बढ़े हुए ग्रुप के 11 सदस्य ग्लोबल ऑर्डर में अधिक प्रभाव चाहते हैं, लेकिन उनके राजनीतिक, आर्थिक और विदेश नीति से जुड़े हित अलग-अलग हैं। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के सीनियर एनालिस्ट प्रवीण डोंथी ने एपी को बताया, 'ग्लोबल साउथ कोई एक जैसा ग्रुप नहीं है। इसलिए, इस ग्रुप के लिए इन झगड़ों को संभालना और उनमें मध्यस्थता करना मुश्किल होगा।' रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन और मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध इन मतभेदों को सामने ला सकते हैं। भारत के रूस और ईरान के साथ पुराने संबंध हैं, जबकि वह अमेरिका, यूरोप, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ भी अपनी साझेदारी बढ़ा रहा है।

विनायक चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश को समर्पित है। यह पर्व हिन्दू धर्म के मानने वालों का मुख्य पर्व है। विनायक चतुर्थी को गणेशोत्सव के रूप में सारे विश्व में हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भारत में इसकी धूम यूं तो सभी प्रदेशों में होती है, परन्तु विशेष रूप से यह महाराष्ट्र में मनाया जाता है।

गणेशोत्सव

विनायक चतुर्थी के उत्सव को सम्पूर्ण महाराष्ट्र का मुख्य पर्व भी कहा जा सकता है। इस दिन लोग मौहल्लों और चौराहों पर प्रथम पूज्य भगवान गणेशजी की मूर्ति की स्थापना करते है। आरती और भगवान श्री गणेश के जयकारों से सारा माहौल गुंज रहा होता है। इस उत्सव का अंत अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश की मूर्ति समुद्र में विसर्जित करने के बाद होता है।

कथा

गणेश चतुर्थी व्रत को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलन में है। इस कथा के अनुसार एक बार भगवान शंकर और माता पार्वती नर्मदा नदी के निकट बैठे थे। वहां देवी पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से समय व्यतीत करने के लिये चौपड़ का खेल खेलने को कहा। भगवान शंकर चौपड़ खेलने के लिये तैयार तो हो गये, परन्तु इस खेल मे हार-जीत का फैसला कौन करेगा? इसका प्रश्न उठा, इसके जवाब में भगवान भोलेनाथ ने कुछ तिनके एकत्रित कर उसका पुतला बनाकर, उस पुतले की प्राण प्रतिष्ठा कर दी और पुतले से कहा कि- फ़बेटा हम चौपड़ खेलना चाहते है, परन्तु हमारी हार-जीत का फैसला करने वाला कोई नहीं है। इसलिये तुम बताना की हम में से कौन हारा और कौन जीता।

चौपड़ का खेल

यह कहने के बाद चौपड़ का खेल प्रारम्भ हो गया। खेल तीन बार खेला गया, और संयोग से तीनों बार पार्वती जी जीत गईं। खेल के समाप्त होने पर बालक से हार-जीत का फैसला करने के लिये कहा गया, तो बालक ने महादेव को विजयी बताया। यह सुनकर माता पार्वती क्रोधित हो गईं और उन्होंने क्रोध में आकर बालक को लंगडा होने व कीचड़ में पड़े रहने का श्राप दे दिया। बालक ने माता से माफ़ी मांगी और कहा- मुझसे अज्ञानता वश ऐसा हुआ, मैनें किसी द्वेष में ऐसा नहीं किया।फ़ बालक के क्षमा मांगने पर माता ने कहा- यहाँ गणेश पूजन के लिये नाग कन्याएं आयेंगी, उनके कहे अनुसार तुम गणेश व्रत करो, ऐसा करने से तुम मुझे प्राप्त करोगे। यह कहकर माता पार्वती भगवान शिव के साथ कैलाश पर्वत पर चली गई।

गणेश का प्रसन्न होना

ठीक एक वर्ष बाद उस स्थान पर नाग कन्याएं आईं। नाग कन्याओं से श्री गणेश के व्रत की विधि मालुम करने पर उस बालक ने 21 दिन लगातार गणेश जी का व्रत किया। उसकी श्रद्धा देखकर भगवान गणेश प्रसन्न हो गए और उन्होंने बालक को मनोवांछित फल मांगने के लिये कहा। बालक ने कहा- हे विनायक! मुझमें इतनी शक्ति दीजिए, कि मैं अपने पैरों से चलकर अपने माता-पिता के साथ कैलाश पर्वत पर पहुंच सकूं और वो यह देख प्रसन्न हों।फ़ बालक को यह वरदान देकर भगवान गणेश अन्तर्धान हो गए। बालक इसके बाद कैलाश पर्वत पर पहुंच गया और वहाँ पहुंचने की कथा उसने भगवान महादेव को सुनाई। उस दिन से पार्वती जी शिवजी से विमुख हो गईं। देवी के रुष्ठ होने पर भगवान शंकर ने भी बालक के बताये अनुसार गणेश का व्रत 21 दिनों तक किया। इसके प्रभाव से माता के मन से भगवान भोलेनाथ के लिये जो नाराजगी थी, वह समाप्त हो गई।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए।

कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मागंलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं। समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अतः सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है। यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है। हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं। वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अतः उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

श्री गणेश पूजन की आसान विधि

श्रीगणेश पूजा अपने आपमें बहुत ही महत्वपूर्ण व कल्याणकारी है। चाहे वह किसी कार्य की सफलता के लिए हो या फिर चाहे किसी कामनापूर्ति स्त्री, पुत्र, पौत्र, धन, समृद्धि के लिए या फिर अचानक ही किसी संकट मे पड़े हुए दुखों के निवारण हेतु हो।

- अर्थात जब कभी किसी व्यक्ति को किसी अनिष्ट की आशंका हो या उसे नाना प्रकार के शारीरिक या आर्थिक कष्ट उठाने पड़ रहे हो तो उसे श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक किसी योग्य व विद्वान ब्राह्मण के सहयोग से श्रीगणपति प्रभु व शिव परिवार का व्रत, आराधना व पूजन करना चाहिए।

- पूजन से पहले नित्यादि क्रियाओं से निवृत्त होकर शुद्ध आसन में बैठकर सभी पूजन सामग्री को एकत्रित कर पुष्प, धूप, दीप, कपूर, रोली, मौली लाल, चंदन, मोदक आदि एकत्रित कर क्रमशः पूजा करें।
- भगवान श्रीगणेश को तुलसी दल व तुलसी पत्र नहीं चढ़ाना चाहिए। उन्हें, शुद्ध स्थान से चुनी हुई दुर्वा को धोकर ही चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश भगवान को मोदक (लड्डू) अधिक प्रिय होते हैं इसलिए उन्हें देशी घी से बने मोदक का प्रसाद भी चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश स्त्रोत से विशेष फल की प्राप्ति होती है।
- श्रीगणेश सहित प्रभु शिव व गौरी, नन्दी, कार्तिकेय सहित सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा षोड़षोपचार विधि से करना चाहिए।
- व्रत व पूजा के समय किसी प्रकार का क्रोध व गुस्सा न करें। यह हानिप्रद सिद्ध हो सकता है।
- श्रीगणेश का ध्यान करते हुए शुद्ध व सात्विक चित से प्रसन्न रहना चाहिए।
- शास्त्रानुसार श्रीगणेश की पार्थिव प्रतिमा बनाकर उसे प्राणप्रति?ष्ठित कर पूजन-अर्चन के बाद विसर्जित कर देने का आख्यान मिलता है। किन्तु भजन-कीर्तन आदि आयोजनों और सांस्कृतिक आयोजनों के कारण भक्त 1, 2, 3, 5, 7, 10 आदि दिनों तक पूजन अर्चन करते हुए प्रतिमा का विसर्जन करते हैं।
- किसी भी पूजा के उपरांत सभी आवाहित देवताओं की शास्त्रीय विधि से पूजा-अर्चना करने के बाद उनका विसर्जन किया जाता है, किन्तु श्री लक्ष्मी और श्रीगणेश का विसर्जन नहीं किया जाता है। इसलिए श्रीगणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करें, किन्तु उन्हें अपने निवास स्थान में श्री लक्ष्मी जी सहित रहने के लिए निमंत्रित करें।
- पूजा के उपरांत अपराध क्षमा प्रार्थना करें, सभी अतिथि व भक्तों का यथा व्यवहार स्वागत करें।
- पूजा कराने वाले ब्राह्मण को संतुष्ट कर यथा विधि पारिश्रामिक (दान) आदि दें, उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर दीर्घायु, आरोग्यता, सुख, समृद्धि, धन-ऐश्वर्य आदि को बढ़ाने के योग्य बनें।

भारतीय धर्म संस्कृति में किसी कार्य की सफलता हेतु पहले मंगलाचरण या फिर पूज्य देवों के वंदना की परंपरा रही है। किसी कार्य को सुचारू रूप से निर्विघ्नपूर्वक संपन्न करने हेतु सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना व अर्चना का विधान है। इसीलिए सनातन धर्म में सर्वप्रथम श्रीगणेश की पूजा से ही किसी कार्य की शुरुआत होती है। जो भी भक्त भगवान गणेश का व्रत या पूजा करता है उसे श्रीगणेश प्रभु की कृपा और मनोवांछित फल की प्राप्ति अवश्य ही होती है।

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं।

गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है, वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है।

त्रेता युग में वाहन मोर है, छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है।

द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है, भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है।

कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है।

वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक(चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश,दूर्वा गणेश,शमी गणेश,गोमेद गणेश आदि।

कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि।

सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र,संकट नाशक स्तोत्र,गणपति अथर्वशीर्ष,गणेश कवच,शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना-

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू)अर्पित किए जाते हैं।

फर्जी आईबी अधिकारी बनकर घूम रहा युवक गिरफ्तार

हल्द्वानी। खुद को खुफिया ब्यूरो (आईबी) का अधिकारी बताकर रौब जमाने वाले रामपुर निवासी 24 वर्षीय युवक को पुलिस ने तिकोनिया में वाहन चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया। आरोपित की कार पर लाल–नीली बत्ती और भारत सरकार का बोर्ड लगा हुआ था। तलाशी के दौरान कार से पिस्टल जैसी दिखने वाली एयरगन, कथित फर्जी पहचान पत्र और खुफिया ब्यूरो से संबंधित दस्तावेज बरामद हुए।

पुलिस के अनुसार आरोपित की पहचान मोहासिब खान पुत्र मोहम्मद अयूब खान, निवासी शाहबाद गेट, मोहल्ला ईदगाह, थाना कोतवाली, जिला रामपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। घटना 12 सितंबर की रात की है। उपनिरीक्षक कृपाल सिंह पुलिस टीम के साथ तिकोनिया क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान काठगोदाम की ओर से कार

संख्या यूपी 25 सीएस 9327 आती दिखाई दी। कार पर लाल–नीली बत्ती और भारत सरकार का बोर्ड लगा देखकर पुलिस ने वाहन को रोक लिया।

पूछताछ के दौरान युवक ने स्वयं को आईबी का अधिकारी बताते हुए पहचान पत्र प्रस्तुत किया। हालांकि, पुलिस द्वारा पद और विभाग से संबंधित जानकारी पूछे जाने पर वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। संदेह होने पर पुलिस ने कार की तलाशी ली। डैशबोर्ड से पिस्टल जैसी दिखने वाली एयरगन के अलावा आईबी से संबंधित कागजात और पहचान पत्र बरामद हुए।

पुलिस के मुताबिक जांच में पहचान पत्र और अन्य दस्तावेज फर्जी पाए गए। पूछताछ में आरोपित ने कथित तौर पर बताया कि वह एयरगन रौब दिखाने के लिए रखता था और फर्जी पहचान के जरिए लोगों पर प्रभाव जमाता था। वाहन के दस्तावेज भी प्रस्तुत न कर पाने पर पुलिस ने कार को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया। आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 168, 318(3), 319(2) और 336(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

करीब 19 लाख की लागत से गड्ढे भरेगा नगर निगम

ऋषिकेश। निगम के 40 वार्डों में सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए नगर निगम की ओर से करीब 19 लाख के बजट से कार्य कराया जाएगा। इसके लिए नगर निगम के निर्माण अनुभाग की ओर से सभी वार्डों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की गई है। बारिश के कारण नगर निगम के कई वार्डों में सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं। गड्ढों के कारण वार्ड के लोगों को आवागमन करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पार्षद भी सड़कों पर तारकोल बिछाने और गड्ढों को भरने के लिए नगर निगम प्रशासन से कई बार मांग कर चुके हैं। सर्वे के बाद नगर निगम प्रशासन ने 40 वार्डों में इस कार्य के लिए करीब 19 लाख का बजट तैयार किया है। सीसी इंटरलॉकिंग टाइल्स से सड़कों के गड्ढे भरे जाएंगे। टेंडर होने के बाद वार्डों की सड़कें गड्ढा मुक्त होंगी। तारकोल बिछाने से संबंधित कार्य बाद में किया जाएगा।

थैना मंदिर में आस्था का उल्लास, धूमधाम से मनाया जा रहा है जागड़ा पर्व

कालसी। जौनसार–बावर क्षेत्र के प्रसिद्ध महासू देवता मंदिर, थैना में जागड़ा पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। पर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और अपने आराध्य देवता के दर्शन कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख–समृद्धि की कामना की।

जागड़ा पर्व जौनसार–बावर की धार्मिक आस्था और समृद्ध लोक संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। इस दौरान मंदिर परिसर में पारंपरिक देव वाद्य यंत्रों की गूंज, देव पालकी और धार्मिक अनुष्ठानों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ महासू देवता की पूजा–अर्चना की।

थैना मंदिर में आयोजित पर्व ने जौनसार–बावर की प्राचीन परंपराओं, लोक संस्कृति और सामुदायिक एकजुटता की सुंदर तस्वीर पेश की। जागड़ा पर्व के दौरान क्षेत्र के विभिन्न महासू–चालदा देवता मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

संक्षिप्त समाचार

देहरादून में झमाझम बारिश, तीन उड़ाने डायवर्ट

देहरादून। बीते कुछ दिनों से तेवर दिखा रही उमस से आज राहत मिली। राजधानी देहरादून में सुबह अचानक मौसम ने करवट बदली और बारिश शुरू हो गई। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुमार आज बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिले के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है।

देहरादून आ रही तीन उड़ानें अमृतसर और दिल्ली लिए हुई डायवर्ट

खराब मौसम के कारण विभिन्न शहरों से देहरादून आ रही कुल तीन उड़ानों को अमृतसर और दिल्ली के लिए डायवर्ट करना पड़ा। एयर इंडिया दिल्ली को सुबह 10: 20 पर देहरादून एयरपोर्ट पर उतरना था। लेकिन खराब मौसम के कारण आसमान में कई चक्कर काटने के बाद इस उड़ान को वापस दिल्ली के लिए डायवर्ट कर दिया गया।इंडिगो की मुंबई वाली उड़ान को सुबह 11: 00 बजे एयरपोर्ट पर उतरना था। यह उड़ान आसमान में कई चक्कर काटने के बाद अमृतसर के लिए डायवर्ट कर दी गई। वहीं इंडिगो की दूसरी जयपुर वाली उड़ान को 11: 25 बजे एयरपोर्ट पर उतरना था। लेकिन खराब मौसम के कारण यह उड़ान काफी देर तक आसमान में गढ़वाल क्षेत्र का चक्कर काट कर अमृतसर के लिए डायवर्ट कर दी गई। एयरपोर्ट पर अभी भी मौसम खराब बना हुआ है।

ग्रामीण क्षेत्र को शहरी दर्शाकर थमाए चार माह के बिल

कर्णप्रयाग। जल संस्थान के कर्मियों ने ग्राम पंचायत डिम्मर के न्यू–डिम्मर आवासीय बस्ती के उपभोक्ताओं को नगर पालिका कर्णप्रयाग के सुभाषनगर वार्ड में दर्शा दिया है। अब उन्हें शहरी दरों पर चार महीने के पानी के बिल भेजे गए हैं। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

उपभोक्ता महेश प्रसाद डिमरी और प्रकाश चंद्र डिमरी ने बताया कि उन्हें अप्रैल से अगस्त माह तक के ऑनलाइन पेयजल बिल मिले हैं। ये बिल नगर क्षेत्र की दरों पर आधारित हैं। उन्होंने न्यू–डिम्मर आवासीय बस्ती को नगर पालिका में दर्शाने पर आपत्ति जताई। उपभोक्ताओं ने शासन–प्रशासन से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता दिनेश चंद्र पुरोहित ने गलती स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि न्यू–डिम्मर को नगर पालिका में गलती से दर्शा दिया गया होगा। मामले का संज्ञान लेकर बिलों में दर्ज नाम को सही कर दिया जाएगा।

बुग्यालों में नाइट स्टे पर लगाई रोक, 19 परमिट निरस्त

देवाल। वन संरक्षक गढ़वाल वृत्त के निर्देश के बाद बुग्यालों में पर्यटकों के नाइट स्टे पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। इस आदेश के बाद 19 पर्यटकों के परमिट निरस्त कर दिए गए हैं। अब केवल धार्मिक यात्राओं के लिए ही रात रुकने की अनुमति होगी। वन संरक्षक आकाश कुमार वर्मा ने बदरीनाथ वन प्रभाग की डीएफओ प्रणाली रमेश उमरे को निर्देश दिए। उन्होंने वेदनी बुग्याल में पर्यटकों के नाइट स्टे और टेंट लगाने के लिए जारी परमिट तत्काल निरस्त करने को कहा। यह कार्रवाई वेदनी बुग्याल में पर्यटकों के टेंट लगने की उच्च स्तरीय शिकायत के बाद हुई। उन्होंने रेंज अधिकारी को भी इसका पालन सुनिश्चित करने को कहा।

2018 में भी लगी थी रोक

नैनीताल उच्च न्यायालय ने 21 अगस्त 2018 को बुग्यालों में नाइट स्टे पर प्रतिबंध लगाया था। हालांकि तत्कालीन डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे ने 21 जुलाई 2026 को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यहां नाइट स्टे पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद वेदनी बुग्याल, बगुवावासा और पातर नचौड़िया में पर्यटक रुक रहे थे। डीएफओ प्रणाली रमेश उमरे ने बताया कि वन संरक्षक आकाश कुमार वर्मा के निर्देश पर बुग्यालों में नाइट स्टे पर रोक लगा दी गई है।

सड़क के अभाव में डोली से घर पहुंची प्रसूता

बागेश्वर। जिले के थलीधार क्षेत्र में सड़क सुविधा नहीं होने का खामियाजा एक बार फिर ग्रामीणों और मरीजों को भुगतना पड़ा। जिला अस्पताल बागेश्वर में प्रसव के बाद छुट्टी मिलने पर थलीधार निवासी निशा देवी को सड़क के अभाव में ग्रामीणों ने करीब चार किलोमीटर तक डोली के सहारे पैदल घर पहुंचाया।

ग्रामीणों के मुताबिक, थलीधार क्षेत्र में लंबे समय से सड़क की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीणों को रोजमर्रा की आवाजाही में परेशानी के साथ ही आपातकालीन स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और वापस घर लाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

प्रसव के बाद डोली में तय करना पड़ा रास्ता

निशा देवी की बागेश्वर जिला अस्पताल में डिलीवरी हुई। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद घर तक पहुंचने के लिए जब कोई सड़क मार्ग उपलब्ध नहीं था, तो ग्रामीणों ने डोली की

व्यवस्था की। इसके बाद प्रसूता को करीब चार किलोमीटर तक पैदल रास्ते से डोली में ले जाकर घर पहुंचाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि सबसे अधिक परेशानी गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और गंभीर मरीजों को होती है। सड़क सुविधा के अभाव में कई बार मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना भी चुनौती बन जाता है।

दो महीने से आंदोलनरत हैं ग्रामीण

सड़क निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्र के ग्रामीण पिछले दो महीनों से आंदोलन कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार मांग और आंदोलन के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। उनका आरोप है कि सड़क जैसी बुनियादी सुविधा के अभाव में उन्हें आज भी पहाड़ी रास्तों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने शासन और प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए थलीधार क्षेत्र में जल्द सड़क निर्माण शुरू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क बनने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन के साथ–साथ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में भी बड़ी राहत मिलेगी।

देवीखाल स्कूल का खेल मैदान धंसा

यमकेश्वर। बरसात में विकासखंड यमकेश्वर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवीखाल का खेल मैदान करीब 15 मीटर हिस्सा धंसने से जर्जर हो गया है। पिछले वर्ष भी मैदान का करीब 10 मीटर हिस्सा धंस चुका है। अब तक करीब 25 मीटर हिस्सा ढहने के साथ ही कई जगह गहरी दरारें पड़ गई हैं। ऐसे में मैदान में अभ्यास कर रहे 13 छात्र–छात्राओं के फिसलकर धंसे हिस्से में गिरने या मिट्टी खिसकने से हादसे का खतरा बना हुआ है। वहीं, आगामी संकुल और ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के चलते बच्चों को इसी असुरक्षित मैदान में अभ्यास करना पड़ सकता है।

जुलेड़ी की ग्राम प्रधान रजनी देवी ने बताया कि इस वर्ष बरसात में खेल मैदान का करीब 15 मीटर हिस्सा धंसा है। इससे पहले पिछले वर्ष बारिश के दौरान 10 मीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ था। मैदान के अन्य हिस्सों में भी गहरी दरारें आ गई हैं, जिससे बारिश के दौरान और भू–धंसाव की आशंका बनी हुई है।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवीखाल में जुलेड़ी, बिंजाखेत, पैंया और ढोषण गांवों के 13 छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं। ग्रामीणों के अनुसार मैदान की स्थिति लगातार खराब होने से बच्चों की खेल गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं।

मेट्रो शहरों को पछाड़कर दून बना देश का नंबर–1 शहर

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून ने देश के बड़े महानगरों को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ी आर्थिक उपलब्धि दर्ज की है। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के ताजा सर्वेक्षण के अनुसार, देहरादून देश में गैर–कॉर्पोरेट यानी अनिगमित क्षेत्र के कामगारों को सबसे अधिक औसत वार्षिक वेतन देने वाला शहर बनकर सामने आया है। यहां अनिगमित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों की औसत सालाना कमाई 4.60 लाख दर्ज की गई है।

देहरादून का यह आंकड़ा देश के 1.47 लाख के राष्ट्रीय औसत से तीन गुना से भी अधिक है। खास बात यह है कि औसत कमाई के मामले में दून ने आर्थिक राजधानी मुंबई और आईटी हब बेंगलुरु जैसे महानगरों को भी पीछे छोड़ दिया है। इससे देहरादून की बदलती अर्थव्यवस्था और रोजगार के नए अवसरों की तस्वीर सामने आती है।

मुंबई–बेंगलुरु और दिल्ली भी पीछे

सर्वेक्षण के आंकड़ों के मुताबिक गैर–कॉर्पोरेट क्षेत्र में मुंबई और बेंगलुरु में औसत सालाना कमाई करीब 3 लाख रही। वहीं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यह आंकड़ा करीब 2.50 लाख दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊमें अनिगमित क्षेत्र के कामगारों की

औसत सालाना कमाई करीब 1.65 लाख रही।

वहीं पटना और रांची जैसे शहरों में औसत कमाई राष्ट्रीय औसत 1.47 लाख से भी नीचे रही। ऐसे में 4.60 लाख की औसत वार्षिक कमाई के साथ देहरादून का शीर्ष पर पहुंचना राज्य के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संकेत माना जा रहा है।

74,843 अनिगमित उद्यम, करीब 1.72 लाख श्रमिक

सर्वेक्षण के अनुसार देहरादून जिले में 74,843 अनिगमित उद्यम सक्रिय हैं, जिनमें करीब 1.72 लाख श्रमिक काम कर रहे हैं। इनमें लगभग 31 प्रतिशत इकाइयां दैनिक मजदूरी वाले कामगारों पर निर्भर हैं।

अनिगमित क्षेत्र में छोटे कारोबार, व्यापारिक प्रतिष्ठान, सेवा क्षेत्र, व्यक्तिगत उद्यम और ऐसे व्यवसाय शामिल होते हैं जो बड़े कॉर्पोरेट ढांचे के बाहर संचालित होते हैं। इस क्षेत्र का विस्तार स्थानीय स्तर पर रोजगार पैदा करने के साथ–साथ शहर की अर्थव्यवस्था को भी गति देता है।

शिक्षा और आईटी से बदली दून की अर्थव्यवस्था

देहरादून की आर्थिक तस्वीर पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बदली है। कभी सरकारी नौकरियों, सैन्य संस्थानों और पेंशनर्स के शहर के रूप में पहचाने जाने वाले दून में अब उच्च शिक्षा, कोचिंग, आईटी, हॉस्पिटैलिटी, लॉजिस्टिक्स, प्रोफेशनल सर्विसेज और निजी क्षेत्र का तेजी से विस्तार हुआ है।

देश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए देहरादून पहुंचते हैं। इसके चलते कोचिंग संस्थानों, हॉस्टल, पीजी, रेस्टोरेंट, परिवहन, किराये के आवास और अन्य सेवा क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़े हैं।

आईटी और डिजिटल सेवाओं से जुड़े छोटे एवं मध्यम स्तर के उद्यमों के बढ़ने से कुशल युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए विकल्प तैयार हुए हैं। हॉस्पिटैलिटी और पर्यटन क्षेत्र ने भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उत्तराखंड में मैदानी जिले आगे

राज्य के भीतर अनिगमित क्षेत्र में कामगारों की औसत कमाई में भी स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों वाले मैदानी जिलों में कमाई अपेक्षाकृत अधिक है।

हरिद्वार में सिडकुल, मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स गतिविधियों के चलते अनिगमित क्षेत्र के कामगारों की औसत सालाना कमाई करीब 2.40 लाख रही।

उधमसिंह नगर में ऑटोमोबाइल, पैकेजिंग और फार्मास्युटिकल उद्योगों की मौजूदगी के कारण यह आंकड़ा करीब 2.25 लाख दर्ज किया गया।

वहीं हल्द्वानी कुमाऊं के प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में करीब 2.10 लाख की औसत वार्षिक कमाई के साथ आगे रहा।

रात में खुखरी लेकर घूम रहे दो युवक गिरफ्तार

सेलाकुई। राजा रोड स्थित राजावाला घाटी में हिमालयन कॉलेज के पास रात्रि गश्त के दौरान सेलाकुई पुलिस ने दो युवकों को अवैध खुखरी के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से एक–एक खुखरी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, एसएसपी देहरादून के निर्देश पर अपराधों की रोकथाम के लिए संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है।

इसी क्रम में 12 सितंबर की रात गश्त के दौरान पुलिस टीम ने दो संदिग्ध युवकों को रोका। तलाशी लेने पर उनके पास से दो अवैध खुखरी बरामद हुईं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करन सिंह पुत्र केदार सिंह (24 वर्ष), निवासी वादी मोहल्ला पूर्वी लाइन, राजा रोड, सेलाकुई और कार्तिक पुत्र भोपाल राणा (22 वर्ष), निवासी भाती मोहल्ला, राजा रोड, सेलाकुई के रूप में हुई है।

पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 25/4 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। दोनों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस उनके आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है।

पुलिस टीमः कांस्टेबल मधुसूदन, दिलवर नेगी, इरशाद और संदीप कुमार।

माता अनसूया देवी मंदिर तक सड़क निर्माण की मांग उठी

गोपेश्वर। दशोली ब्लॉक के अनसूया गांव के ग्रामीणों ने संतानदायिनी माता अनसूया देवी मंदिर तक सड़क निर्माण की मांग उठाई। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से अनसूया गेट (मंडल) से संगूड़ पैदल पुल तक 2.50 किलोमीटर मार्ग निर्माण कार्य प्रस्तावित है। इसके लिए करीब 44 लाख रुपये का बजट भी स्वीकृत हो चुका है लेकिन कुछ ग्रामीण काश्तकारों की भूमि संबंधी आपत्तियों के कारण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। अनसूया मंदिर के पुरोहित जय प्रकाश तिवाड़ी और अन्य ग्रामीणों ने कहा कि लोनिवि के अधिकारी ग्रामीणों के बीच सहमति बनाकर शीघ्र सड़क निर्माण कार्य शुरू करें। कहा गया कि करीब 12 वर्ष पूर्व माता अनसूया देवी मार्ग से जोड़ने के उद्देश्य से सिरोली गांव के समीप 30 मीटर आरसीसी पुल का निर्माण किया गया था। मगर पुल का उपयोग मार्ग के लिए नहीं होने से सरकारी धन का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है।

ऐसे में अनसूया गांव के छात्र–छात्राओं को स्कूल और मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में करीब चार किमी की पैदल दूरी तय करनी पड़ रही है। इधर, लोनिवि के अधिशासी अभियंता तनुज कांबोज का कहना है कि अनसूया सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों से वार्ता की जा रही है।

पानी की टंकी साफ करते समय महिला की अचानक मौत, परिवार में मचा कोहराम

चंपावत। बाराकोट क्षेत्र में रविवार सुबह एक हृदयविदारक हादसा सामने आया। घर की छत पर पानी की टंकी साफ करते समय 59 वर्षीय कलावती देवी की अचानक तबीयत बिगड़ गई और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार बाराकोट निवासी कलावती देवी रविवार सुबह करीब छह बजे अपने पति केदार सिंह अधिकारी के साथ घर की छत पर पानी की टंकी साफ कर रही थीं। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और वह छत पर गिर पड़ीं। परिजनों और आसपास के लोगों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी।

बताया जा रहा है कि महिला को संभवतः

हृदयाघात आया था, हालांकि मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि चिकित्सकीय जांच के बाद ही हो सकेगी। पत्नी की अचानक मौत से पति केदार सिंह अधिकारी भी सदमे में बेसुध हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सुबह–सुबह हुई इस दुखद घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

लड़ीधूरा शैक्षिक एवं सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष नागेंद्र कुमार जोशी ने घटना की जानकारी दी। कलावती देवी के आकस्मिक निधन पर पूर्व ग्राम प्रधान एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजेश अधिकारी, जिला पंचायत सदस्य योगेश जोशी, पिथौरागढ़ जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष निर्मल माहरा, व्यापार संघ अध्यक्ष संजय वर्मा सहित कई लोगों ने शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताई।

हरीश रावत आलाकमान से करेंगे इस्तीफे की पेशकश

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने अपने पदों से इस्तीफे को लेकर चल रही खबरों का खंडन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता या किसी पद से इस्तीफा नहीं दिया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यदि पार्टी के संघर्ष में उनके किसी कृत्य से कमी आती है तो वह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और एआईसीसी की वर्किंग कमेटी के सदस्य पद से हटने की पेशकश कर सकते हैं।

दरअसल, हरीश रावत के निजी सहायक जीना के देहरादून स्थित घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के बाद उनके सोशल मीडिया पोस्ट से राजनीतिक हलकों में इस्तीफे की चर्चाएं तेज हो गई थीं। इसके बाद कई जगहों पर यह खबर सामने आई कि हरीश रावत कांग्रेस और अपने पदों से इस्तीफा देने वाले हैं।

कांग्रेस की सदस्यता खून और हड्डियों में

मीडिया से बातचीत में हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सदस्यता उनके खून और हड्डियों में है। उन्होंने किसी पद से इस्तीफा देने की बात नहीं कही थी। उन्होंने बताया कि उनकी पिछली पोस्ट को लेकर गलत अर्थ निकाला गया, जिसके बाद इस्तीफे की खबरें चलने लगीं। हरीश रावत ने कहा कि वह लंबे समय से पार्टी और सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालते रहे हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में आया एसआरएस के बल्लेबाज का तूफान

कप्तानी पारी खेलकर अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाया

सलिल अरोड़ा ने शेर-ए-पंजाह लीग में जड़ा शतक

मोहाली । शेर-ए-पंजाब टी20 लीग 2026 के बेहद रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस ने जालंधर वॉरियर्स को 17 रनों से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लुधियाना की जीत के असली हीरो कप्तान सलिल अरोड़ा रहे, जिन्होंने मुश्किल वक्त में आकर महज 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को खिताबी जंग में पहुंचाया।

साहिल भास्कर की घातक गेंदबाजी – 221 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी जालंधर वॉरियर्स ने कप्तान प्रभसिमरन सिंह और हरजस टंडन के दम पर एक समय 154/3 का स्कोर बना लिया था और वे जीत की तरफ बढ़ रहे थे। लेकिन इसके बाद तेज गेंदबाज साहिल भास्कर का जादू चला। साहिल ने एक ही ओवर में 3 विकेट झटककर जालंधर के बैटिंग लाइन-अप की कमर तोड़ दी और 4 ओवर में 6/16 का करिश्माई स्पेल फेंककर जालंधर को 203/8 पर रोक दिया।

105 रन पर गिर चुके थे 5 विकेट, फिर आया सलिल का शतकीय तूफान

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लुधियाना लायंस की शुरुआत बेहद खराब रही। जालंधर के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लुधियाना के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त कर दिया और टीम 105 रन के स्कोर पर अपने 5 अहम विकेट गंवाकर गहरे संकट में आ गई थी। ऐसे दबाव के समय कप्तान सलिल अरोड़ा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने माधव पठानिया के साथ मिलकर न केवल पारी को संभाला, बल्कि जालंधर के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। सलिल और पठानिया ने छठे विकेट के लिए महज कुछ ही ओवरों में 115 रनों की अटूट साझेदारी कर मैच का पासा पलट दिया। सलिल अरोड़ा अंत तक आउट नहीं हुए और उन्होंने 56 गेंदों में 120 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसकी बदौलत लुधियाना ने 20 ओवर में 220/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया।

रविवार को अमृतसर सूरमाओं से होगा फाइनल मुकाबला – कप्तान सलिल अरोड़ा का यह नाबाद शतक लुधियाना की जीत का मुख्य आधार बना। अब फाइनल मुकाबले में लुधियाना लायंस का सामना अमृतसर सूरमाओं से रविवार को होगा। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों ने अपने स्टार खिलाड़ियों (अर्शदीप सिंह और अभिषेक शर्मा) की अनुपस्थिति के बावजूद टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है।

अनाहत सिंह ने कतर क्लासिक स्क्वॉश में उलटफेर किया

वर्ल्ड नंबर–16 फरिदा मोहम्मद को चार गेम में हराया, अब टिन्ने जिलिस से मुकाबला

नई दिल्ली । भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया। विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया।

दूसरे गेम में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी – मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला – पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से भिड़ेंगी।

मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें – पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं।

एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम का हिस्सा – अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं। आगामी एशियन गेम्स में भारतीय स्क्वैश टीम में अनाहत के साथ अभय सिंह, वीर चोटरानी और तन्वी खन्ना भी शामिल हैं।

भारत जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीता

चीन को 1–0 से हराया, हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों–सपोर्ट स्टाफ के लिए कैश प्राइज का ऐलान किया

नई दिल्ली । भारत ने रविवार को चीन को 1-0 से हराकर जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब जीत लिया। फाइनल में जीत के तुरंत बाद हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए कैश प्राइज का ऐलान किया। सपोर्ट स्टाफ के लिए भी कैश प्राइज घोषित किया गया।

फाइनल से पहले भारत का प्रदर्शन – भारत ने सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 और क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराया। इससे पहले टीम ने मेजबान चीन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। भारत ने जापान को 7-0 और मलेशिया को 11-1 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट के पहले मैच में भी भारत ने साउथ कोरिया को 4-1 से हराया था।

रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता, वर्ल्ड नंबर-1 बनीं

सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

न्यूयॉर्क। कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार यूएस ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

सबालेंका का लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूटा – रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार यूएस ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही ए ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया। सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

पहले सेट में रायबकिना का दबदबा – पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

सबालेंका ने दूसरे सेट में की वापसी – दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

तीसरे सेट में फिर हावी हुई रायबकिना – निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला।

इस साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम – रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। यूएस ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है।

चोट से जूझने के बाद हासिल की बड़ी सफलता

रायबकिना यूएस ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

रायबकिना को करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि

यूएस ओपन का खिताब जीतने पर रायबकिना को 55 लाख डॉलर यानी करीब 46 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली। वहीं, उपविजेता सबालेंका को 28 लाख डॉलर मिले। रायबकिना ने जीत के बाद कहा कि उनके पास अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वह पिछले 10 साल से न्यू यॉर्क आ रही हैं, लेकिन यहां उन्हें कभी ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन की ग्लोबल चेस लीग में पहली हार

टीम फिर भी फाइनल में पहुंची, गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से मुकाबला

बेंगलुरु । ग्लोबल चेस लीग के चौथे सीजन में मैग्नस कार्लसन को पहली हार मिली। बेंगलुरु में शनिवार को खेले गए मुकाबले में त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के अलीरेजा फिरोजा ने उन्हें हराया। इसके बावजूद कार्लसन की टीम अल्पाइन पाइपर्स 18 मैच पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंच गई। रविवार को खिताबी मुकाबले में पाइपर्स का सामना गंगेज ग्रैंडमास्टर्स से होगा।

कार्लसन की चेतावनी के बाद अलीरेजा ने दी मात – टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले मैग्नस कार्लसन ने मजाकिया अंदाज में अलीरेजा फिरोजा को कम समय में हराने की चेतावनी दी थी। दोनों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। शनिवार को अलीरेजा ने कार्लसन को हराकर टूर्नामेंट में उनकी जीत का सिलसिला तोड़ दिया। जीत के बाद अलीरेजा ने कहा, 'यह टूर्नामेंट हमारे लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। हमारी टीम में फाइनल जीतने का दम था, लेकिन कुछ करीबी मुकाबलों ने खेल बिगाड़ दिया। दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी के खिलाफ यह जीत बेहद खास है।

मोहम्मद सिराज हैदराबाद रणजी टीम के कप्तान बने

चामा मिलिंद उपकप्तान, 11 अक्टूबर को त्रिपुरा से पहला मुकाबला

नई दिल्ली । भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 2026-27 रणजी ट्रॉफी सीजन में हैदराबाद के कप्तान होंगे। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने शनिवार को इसका ऐलान किया। सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा। हैदराबाद का पहला मुकाबला त्रिपुरा से होगा। तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को टीम का उपकप्तान बनाया गया है।

हैदराबाद रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप B में – हैदराबाद को रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप क्रमें रखा गया है। इस ग्रुप में सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा भी हैं। सिराज ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी हैदराबाद की दो मैचों में कप्तानी की थी। सिराज हाल ही में तिलक वर्मा की कप्तानी में 2026 की दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते नजर आए थे।

रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर से होगी – रणजी ट्रॉफी 2026-27 11 अक्टूबर 2026 से 3 मार्च 2027 तक खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट दो लेग में खेला जाएगा, जिसमें एलीट ग्रुप में 32 टीमें और प्लेट ग्रुप में 6 टीमें शामिल हैं। BCCI के 2026-27 के डोमेस्टिक सीजन में कुल 1,788 मैच खेले जाएंगे। इस सीजन की शुरुआत दलीप ट्रॉफी से हुई थी और रणजी ट्रॉफी के अलावा इसमें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट भी शामिल हैं।

श्रीलंका दौरे पर कम हुई थी रफ्तार

श्रीलंका दौरे के दौरान सिराज की रफ्तार को लेकर चिंता जताई गई थी। उनकी रफ्तार सामान्य 140 किलोमीटर प्रति घंटे के मध्य स्तर से घटकर 120 किलोमीटर प्रति घंटे के आखिरी स्तर तक पहुंच गई थी। दो मैचों की सीरीज में सिराज ने 44 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्होंने इस दौरान चार विकेट लिए थे। दलीप ट्रॉफी फाइनल के बाद चेन्नई में सिराज ने कहा, दो महीने के ब्रेक के बाद सीधे मैच में उतरने से मेरी लय पूरी तरह नहीं बन पाई थी। मैं पूरी तरह लय पर निर्भर रहने वाला गेंदबाज हूं। अगर मैं लय में नहीं हूं, तो क्रीज से पूरी ताकत के साथ गेंद नहीं फेंक पाता। उन्होंने कहा, श्रीलंका में यही परेशानी थी। मेरा रन-अप बिखरा हुआ लग रहा था। कुछ कदम बहुत छोटे थे और कुछ बहुत लंबे। इससे मेरा प्रवाह टूट गया और मेरी रफ्तार कम हो गई।

सार-समाचार

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

नई दिल्ली । श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है।

जहीर के साथ बातचीत अंतिम दौर तक पहुंची – मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।

युवराज सिंह पहले ही बने बैटिंग कोच – दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है।

हेड कोच की तलाश जारी – बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

मेसी का 99वां गोल

इंजरी टाइम में गोल कर नेशविल टीम ने ड्रॉ खेला

इंटर मियामी को 2–2 पर रोका

बार्सिलोना । इंटर मियामी और नेशविल के बीच रात में मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। नेशविल ने आखिरी समय में बराबरी का गोल किया। लियोनेल मेसी ने 62वें मिनट में गोल किया। मेसी का इंटर मियामी के लिए यह 99वां गोल था।

सैम सरिज ने दो गोल किए – नेशविल के लिए दोनों गोल सैम सरिज ने किए। उन्होंने चौथे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद इंजरी टाइम में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इस नतीजे के बाद नेशविल मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में इंटर मियामी से 9 पॉइंट्स आगे है। इंटर मियामी और नेशविल पिछले तीन सीजन में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस के राइवल बन गए हैं। दोनों टीमें अहम कप मुकाबलों, प्लेऑफ और बड़े रेगुलर-सीजन मैचों में भिड़ चुकी हैं। MLS में नेशविल के खिलाफ मेसी का14 मैचों में उनका 17वां गोल था।

सरिज का शानदार प्रदर्शन – इंग्लैंड में जन्मे स्ट्राइकर सैम सरिज ने इस मुकाबले में पूरा प्रभाव छोड़ा। शनिवार को किया गया उनका पहला गोल इस सीजन का 15वां गोल था। मेसी 19 गोल के साथ MLS गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। वे लगातार तीसरी MLS मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर का अवॉर्ड जीतने के सबसे मजबूत दावेदार भी हैं।

मियामी का खराब दौर – इसके बावजूद इंटर मियामी इस सीजन बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। मुख्य कोच गिलर्मो होयोस के नेतृत्व में टीम पिछले 9 मैचों में सिर्फ एक बार जीती है। मेसी को इस हफ्ते 2026 बैलन डी'ओर के लिए नामांकित किया गया है। इसके बावजूद वह ड्रॉ के नतीजे से निराश दिखे।

नेशविल का मजबूत सीजन – नेशविल ने 2025 यूएस ओपन कप जीता था। 2020 में MLS में शामिल होने के बाद यह उसका पहला खिताब था। नेशविल 19 सितंबर को आत्मविश्वास से भरी शिकागो फायर टीम की मेजबानी करेगा। इंटर मियामी का अगला मैच 20 सितंबर को नू स्टेडियम में सैन डिएगो एफसी के खिलाफ है।

सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर सीएम थलपति विजय का सरप्राइज!

दोस्त अजित कुमार को लगाया गले, तृषा संग वीडियो वायरल

चैन्नई । साउथ सिनेमा के मेगास्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बनने तक का थलपति विजय का सफर बेहद दिलचस्प और ऐतिहासिक रहा है। राजनीति में पूर्ण रूप से कदम रखने के बाद उन्होंने अभिनय की दुनिया को पूरी तरह अलविदा कह दिया और राज्य की कमान संभाली। मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही वे अपनी भूमिका के साथ-साथ अपनी निजी और सामाजिक गतिविधियों को लेकर लगातार सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में तमिलनाडु के सीएम विजय ब्रिटेन के मशहूर सिल्वरस्टोन रेस सर्किट पहुंचे, जहां उनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

सिल्वरस्टोन में अजित-विजय का भावुक पल – सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि तमिलनाडु के सीएम थलपति विजय, एक्टर और पेशेवर रेसर अजित कुमार का हौसला बढ़ाने पहुंचे। अजित कुमार प्रतिष्ठित मिशेलिन ले मैन्स कप रेस में भाग ले रहे थे। वीडियो में जैसे ही विजय ने रेस ट्रैक पर अजित कुमार को देखा, वे खुशी से दौड़ते हुए आए और अपने पुराने साथी व दोस्त अजित को कसकर गले लगा लिया। दोनों सुपरस्टार्स के इस भावनात्मक और आपसी सम्मान से भरे वीडियो को फैंस इंटरनेट पर जमकर शेयर कर रहे हैं।

लंदन में विजय के साथ स्पॉट हुई एक्ट्रेस तृषा कृष्णन – अजित कुमार की रेस के दौरान रेस सर्किट और लंदन के गलियारों से विजय के साथ मशहूर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की भी तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। रेस से ठीक पहले तृषा कृष्णन की तस्वीरें सीनियर एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार के साथ सामने आईं, जिसे राधिका ने खुद इंटरनेट पर शेयर किया था। इसके बाद सिल्वरस्टोन रेस ट्रैक पर भी विजय और तृषा को साथ देखा गया।

विजय और तृषा की पर्सनल लाइफ फिर चर्चा में

थलपति विजय और तृषा कृष्णन की नजदीकियों और अफेयर की खबरें पिछले कई सालों से मीडिया की सुर्खियों में बनी रही हैं, हालांकि दोनों ही कलाकारों ने कभी इन अफवाहों पर सार्वजनिक रूप से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि जब थलपति विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब तृषा कृष्णन भी उस ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। समारोह के दौरान विजय की पहली राजनीतिक स्पीच सुनते वक्त तृषा का भावुक होना भी काफी चर्चा में रहा था। अब यूके में रेस ट्रैक से सामने आए इन नए वीडियोज ने एक बार फिर दोनों की मौजूदगी की ओर फैंस का ध्यान खींच लिया है।